राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 215 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार ,28 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

संक्षिप्त समाचार

प्रदर्शन के चलते नहीं पकड़ पाए ट्रेन मिलेगा पूरा पैसा रिफंड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में किसानों ने ट्रैक्टर रैली निकाली। इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच काफी संघर्ष हुआ। इन सब की वजह से पूरे दिल्ली में कई जगह यातायात बाधित रहा। बहुत सारे लोगों की ट्रेन की बुकिंग थी, लेकिन वह समय से पहुंच ही नहीं सके। अब रेलवे की तरफ से एक बयान जारी किया गया है कि जो यात्री दिल्ली के किसी भी स्टेशन पर किसानों के प्रदर्शन की वजह से नहीं पहुंच सके और ट्रेन नहीं पकड़ पाए, वह चिंतित ना हों।

लाल किला पर हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण : आरएसएस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने दिल्ली में मंगलवार को किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई हिंसा की निंदा की और कहा कि लाल किले की दुर्भाग्यपूर्ण घटना उन लोगों का अपमान है जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना बलिदान दिया है। ट्रैक्टर परेड के लिए निर्धारित मार्ग से हटते हुए आंदोलनकारी किसानों का एक हिस्सा लाल किले में घुस गया और महत्वपूर्ण इमारत के कुछ गुंबदों पर झंडा लगा दिया।

अब संसद में 100 की वेज तो 700 की नॉनवेज थाली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र 29 जनवरी से शुरू होने वाला है, जो 15 फरवरी तक चलेगा। सूत्रों के अनुसार, सत्र से पहले ही लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने संसद की कैंटीन के खाने पर मिलने वाले सब्सिडी को पूरी तरह से खत्म करने का फैसला लिया है। साथ ही नई लिस्ट भी जारी कर दी है। संसद में शाकाहारी थाली 100 रुपये में और नॉनवेज थाली 700 रुपये में मिलेगी। बता दें कि संसद में सब्सिडी खत्म करने की मांग पहले भी उठती आ रही थी।

सड़क हादसा, 8 की मौत

टोंक, (एजेंसी)। राजस्थान के टोंक जिले के सदर थाना इलाके में देर रात तेज रफ्तार ट्रेलर और जीप की भिड़ंत में मध्यप्रदेश के रहने वाले एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि चार जख्मी हुए। तीन साल की बच्ची सुरक्षित बच गई। घायलों को इलाज के लिए जयपुर रैफर किया गया है।

कार्टून

हुड़दंगियों पर कार्रवाई होगी

नई दिल्ली में बुधवार को दिल्ली पुलिस महासंघ के सदस्यों ने किसानों द्वारा दिल्ली पुलिस के साथ की गई हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस के दिन निकले ट्रैक्टर मार्च में हुई हिंसा को लेकर दिल्ली पुलिस का एक्शन जारी है। बुधवार दोपहर तक करीब 200 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि दो दर्जन से अधिक एफआईआर दर्ज की गई हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से कुछ किसान नेताओं पर भी एफआईआर की गई हैं। वहीं, हिंसा के बाद किसान नेताओं में दरार दिखने लगी है। दो संगठनों ने किसान आंदोलन से अलग होने का फैसला लिया है। इसमें राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन भी शामिल है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने कहा कि कोई भी किसान नेता दोषी पाया जाता है तो उसको छोड़ा नहीं जाएगा। पुलिस ने 25 केस दर्ज किए हैं। हमारे पास हिंसा से जुड़े वीडियो फुटेज हैं। हम चेहरे की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। अब तक 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 50 लोग हिरासत में हैं। किसान नेताओं ने दिल्ली पुलिस के साथ विश्वासघात किया।

पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने कहा कि हिंसा में 394 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। किसान नेता किसानों को उकसा रहे थे और वे वही थे जो पूर्व निर्धारित मार्गों पर जाने से इनकार कर रहे थे। हमारे पास ऐसे वीडियो हैं जो दिखा रहे हैं कि कैसे नेता किसानों को उकसा रहे थे। गाजीपुर से राकेश टिकैत की टीम ने बैरिकेड को तोड़ा और आगे बढ़ गए। पुलिस के सामने कई विकल्प थे लेकिन हमने संयम बरता। किसान नेता भी हिंसा में शामिल थे। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि हिंसा में पुलिस की 30 गाडियों को नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया।

दिल्ली में हुई हिंसा पर पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें 2 जनवरी को ट्रैक्टर रैली की जानकारी मिली थी। जानकारी मिलते ही हमने किसान नेताओं से बात की। हमने 26 जनवरी को परेड नहीं निकालने को कहा, लेकिन वे दिल्ली में रैली निकालने पर अड़े रहे। दिल्ली के पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने कहा कि 25 जनवरी को हमने महसूस किया कि किसान उपद्रवी तत्वों को आगे बढ़ा रहे हैं। किसान नेता सतनाम सिंह पन्नु ने भड़काऊ भाषण दिया तो वहीं दर्शनपाल सिंह ने रूट फॉलो नहीं किया। उन्होंने किसानों को भड़काया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि हमने किसान नेताओं को केएमपी का ऑप्शन दिया। उनकी सिक्योरिटी, मेडिकल सब्जी की सुविधा देने का हमने वादा किया था। सबसे पहले बोला गया कि 26 की जगह कोई और तारीख रख लें, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। किसान नेताओं ने दिल्ली में ही ट्रैक्टर मार्च निकालने की ठान ली थी। आखिरी मीटिंग में हमने 3 रूट दिए थे।

दो किसान संगठनों ने खत्म किया आंदोलन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आंदोलनकारी किसानों ने जिस तरह से दिल्ली में उपद्रव किया उसकी हर तरफ निंदा हो रही है। अभी खबर आ रही है कि दो बड़े किसान संगठनों ने आंदोलन से खुद को अलग कर लिया है। किसान नेता वीएन सिंह और चिल्ला बॉर्डर पर भारतीय किसान यूनियन भानु के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। वीएन सिंह ने यूपी गेट पर प्रेस कांफ्रेंस कर इस बात की जानकारी दी। वीएन सिंह गणतंत्र दिवस में जो कुछ भी हुआ उस घटना से बहुत आहत है। साथ ही उन्होंने कहा कि कल के गुनाहगारों को सख्त सजा मिले। वीएम सिंह ने कहा कि सरकार की भी गलती है जब कोई 11 बजे की जगह 8 बजे निकल रहा है तो सरकार क्या कर रही थी। जब सरकार को पता था कि लाल किले पर झंडा फहराने वाले को कुछ संगठनों ने करोड़ों रुपये देने की बात की थी। उन्होंने कहा, हिन्दुस्तान का झंडा, गरिमा, मयार्दा सबकी है। उस मयार्दा को अगर भंग किया है, भंग करने वाले गलत हैं और जिन्होंने भंग करने दिया वो भी गलत हैं... आईटीओ में एक साथी शहीद भी हो गया। जो लेकर गया या जिसने उकसाया उसके खिलाफ पूरी कार्रवाई होनी चाहिए। भारतीय किसान यूनियन (भानु) अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने कहा कि मैं कल की घटना से इतना दुखी हूं कि इस समय मैं चिल्ला बॉर्डर से घोषणा करता हूं कि पिछले 58 दिनों से भारतीय किसान यूनियन (भानु) का जो धरना चल रहा था उसे खत्म करता हूं।

18 वर्षों से पाकिस्तान की जेल में बंद हसीना बेगम भारत लौटी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 65 वर्षीय हसीना बेगम जो 18 साल पहले अपने पति के रिश्तेदारों से मिलने के लिए पाकिस्तान गई थीं, लेकिन पासपोर्ट खो जाने के कारण से वह वापस नहीं आ सकीं। उन्हें पाकिस्तान के जेल में बंदल कर दिया गया था। औरंगाबाद पुलिस द्वारा इस मामले पर रिपोर्ट दर्ज करने के बाद मंगलवार को वह भारत लौट आईं। वतन लौटने पर उनके रिश्तेदारों और औरंगाबाद पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा, मैं काफी मुश्किलों से गुजरी और अपने देश लौटने के बाद मुझे शांति का अहसास हो रहा है। मुझे लग रहा है जैसे मैं स्वर्ग में हूं। मुझे पाकिस्तान में जबरदस्ती कैद कर लिया गया था। उन्होंने कहा मैं मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए औरंगाबाद पुलिस को धन्यवाद देना चाहती हूं। हसीना बेगम के एक रिश्तेदार ख्वाजा जैनुद्दीन चिश्ती ने औरंगाबाद पुलिस को भारत वापस लाने में मदद के लिए धन्यवाद दिया। आपको बता दें कि हसीना बेगम अपने पति के रिश्तेदारों से मिलने के लिए 18 साल पहले पाकिस्तान गई थी। वहां पहुंचने के बाद उन्होंने लाहौर में अपना पासपोर्ट खो दिया। वह पिछले 18 वर्षों से पाकिस्तान की जेल में बंद थी।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, औरंगाबाद के सिटी चौक थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राशिदपुरा इलाके की रहने वाली बेगम की शादी दिलशाद अहमद से हुई है जो उत्तर प्रदेश के सहारनपुर का रहने वाला है। उन्होंने पाकिस्तान की अदालत से गुहार लगाई कि वह निर्दोष हैं, जिसके बाद अदालत ने मामले में जानकारी मांगी। औरंगाबाद पुलिस ने पाकिस्तान को सूचना भेजी कि बेगम के नाम पर औरंगाबाद में सिटी चौक पुलिस स्टेशन के तहत एक घर पंजीकृत है।

जिनको हम अन्नदाता कह रहे थे, वो उग्रवादी साबित हुए : संबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तीनों कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसान संगठनों की ट्रैक्टर परेड मंगलवार को हिंसक हो जाने के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि जिन्हें अभी तक अन्नदाता समझा जा रहा था वे आज उग्रवादी निकले। पात्रा ने ट्वीट कर कहा, जिनको हम इतने दिनों से अन्नदाता कह रहें थे, वो आज उग्रवादी साबित हुए। अन्नदाताओं को बदनाम न करो, उग्रवादियों को उग्रवादी ही बुलाओ!! भाजपा प्रवक्ता ने इसके साथ ही एक वीडियो साझा किया जिसमें एक प्रदर्शनकारी कथित तौर पर तिरंगा झंडा फेंकते हुए देखा जा रहा है। दरअसल वह जब स्तंभ पर चढ़ता दिख रहा है तो उसे भीड़ में से एक व्यक्ति तिरंगा झंडा थमाता है लेकिन वह उसे फेंक देता है और एक अन्य झंडा हाथ में ले लेता है। पात्रा ने इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, दुखद। भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने सवाल उठाया कि भीड़ में शामिल लोगों को आतंकवादी क्यों नहीं कहा जाना चाहिए। उन्होंने ट्वीट कर कहा, शर्मनाक है ये। हमारे बहादुर जवान भीड़ से खुद को बचाने के लिए दीवार से नीचे कूद रहे हैं। इसके बावजूद उन्होंने पूरी सहनशीलता बरती। इस भीड़ को आप क्या कहेंगे...आंदोलनकारी किसान असामाजिक तत्वों का समूह या आतंकवादी आप निर्णय करें।

लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) अध्यक्ष चिराग पासवान ने भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसानों के इस व्यवहार की निंदा की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिस तरीके से उपद्रवी तत्वों द्वारा आंदोलन के आड़ में अपराध किया गया वह किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। लोक जनशक्ति पार्टी इस प्रकार के व्यवहार की आलोचना करती है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी की नई कोरोना गाइडलाइन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत में कोरोना के कम होते संक्रमण को देखते हुए केंद्र सरकार ने नई गाइडलाइन बुधवार को जारी कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की नई गाइडलाइन के अनुसार, स्वीमिंग पूल में अब सभी को प्रवेश की अनुमति दे दी गई है। वहीं, सिनेमा हॉल और थिएटर में 50 फीसदी से ज्यादा लोगों को प्रवेश दिया जा सकेगा। यह गाइडलाइन 01 से 28 फरवरी तक प्रभावी रहेंगी।

गृह मंत्रालय ने कहा है कि जिन-जिन गतिविधियों के लिए नई गाइडलाइन जारी की गई हैं, उनके लिए अलग से रिवाइज्ड एसओपी जारी की जाएगी। गाइडलाइन के अनुसार, सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में सरकारें मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग समेत सभी जरूरी नियमों का पालन करवाना तय करेंगी। 65 साल से ज्यादा उम्र के लोग, गर्भवती महिलाएं और 10 से कम उम्र के बच्चों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। इंटरनेशनल एयर ट्रैवल पर मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन फैसला लेगा। इसके लिए पहले गृह मंत्रालय से सलाह लेनी होगी।

जिला प्रशासन जरूरत के हिसाब से कंटेनमेंट जोन तय कर सकेगा। लेकिन, इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के निदेर्शों का ध्यान रखना होगा। जिला, पुलिस और नगरपालिका के अधिकारी कंटेनमेंट जोन में कड़ाई से सभी उपाय लागू करने के लिए जिम्मेदार होंगे। राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारें इस बारे में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करेंगी। पैसेंजर ट्रेन, स्कूल, होटल और रेस्टोरेंट जैसी कई मूवमेंट के लिए पहले ही एसओपी जारी की जा चुकी हैं। उनका सख्ती से पालन करना होगा।

उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व आईपीएस भट्ट को एससी से झटका

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उम्रकैद की सजा काट रहे सुप्रीम कोर्ट से पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भट्ट की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने की याचिका को 6 हफ्ते के लिए टाल दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस याचिका पर सुनवाई भट्ट की उस पुनर्विचार याचिका के फैसले के बाद होगी, जिसमें उन्होंने 2019 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल किया था।

दरअसल भट्ट के वकील कपिल सिब्बल ने सुझाव दिया कि अदालत के लिए पहले जून 2019 के आदेश के खिलाफ लंबित पुनर्विचार याचिका पर विचार करना बेहतर है, जिसने ट्रायल में अतिरिक्त गवाहों की जांच के लिए पूर्व आईपीएस अधिकारी की याचिका को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट द्वारा 1990 में हिरासत में मौत के केस में उनकी सजा को निलंबित करने के लिए दायर याचिका पर आदेश दिया है। भारत और अमेरिका के कई नागरिक अधिकार कार्यकताओं और संगठनों ने भारत के उच्चतम न्यायालय से अपील की कि वह पूर्व पुलिस अधिकारी संजीव भट्ट की जमानत मंजूर करे। इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल (आईएएमसी) और हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में संगठनों और कार्यकताओं ने दावा किया कि हत्या के एक मामले में भट्ट की दोषसिद्धि गलत है और यह झूठे सबूतों पर आधारित है।

दिल्ली हिंसा पर शुरू हुई राजनीतिक बयानबाजी

लखनऊ, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को ट्रैक्टर परेड के नाम पर जिस तरह से उपद्रवियों ने लालकिला से लेकर सड़कों तक कोहराम मचाया अब उस पर राजनीति भी शुरू हो गई है। बुधवार को यूपी की दो प्रमुख विपक्षी पार्टियों ने हिंसक आंदोलन पर ट्वीट करते हुए इसे निंदनीय बताते हुए तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इसे अति दुखद बताते हुए कार्रवाई की मांग की तो वहीं, सपा मुखिया अखिलेश यादव ने हिंसा का ठीकरा केंद्र सरकार के सिर फोड़ दिया।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक के बाद एक दो ट्वीट कर लिखा, देश की राजधानी दिल्ली में कल गणतंत्र दिवस के दिन किसानों की हुई ट्रैक्टर रैली के दौरान जो कुछ भी हुआ, वह कतई भी नहीं होना चाहिए था। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण तथा केन्द्र की सरकार को भी इसे अति-गंभीरता से जरूर लेना चाहिए। साथ ही, बीएसपी की केन्द्र सरकार से पुनः यह अपील है कि वह तीनों कृषि कानूनों को अविलम्ब वापिस लेकर किसानों के लम्बे अरसे से चल रहे आन्दोलन को खत्म करे ताकि आगे फिर से ऐसी कोई अनहोनी घटना कहीं भी न हो सके।मायावती के ट्वीट के बाद अखिलेश यादव का भी एक ट्वीट आया। जिसमें उन्होंने लिखा, भाजपा सरकार ने जिस प्रकार किसानों को निरंतर उपेक्षित, अपमानित व आरोपित किया है, उसने किसानों के रोष को आक्रोश में बदलने में निर्णायक भूमिका निभायी है। अब जो हालात बने हैं, उनके लिए भाजपा ही कसूरवार है। भाजपा अपनी नैतिक जिम्मेदारी मानते हुए कृषि-कानून तुरंत रद्द करे।

दरअसल, समाजवादी पार्टी और बसपा शुरू से ही खुद को किसानों के साथ खड़ा दिखाते हुए तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग कर रही है। अब गणतंत्र दिवस पर हुई हिंसा के बाद विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार और बीजेपी के खिलाफ अपने तेवर कड़े कर दिए हैं। उधर किसान आंदोलन की अगुवाई कर रहे नेता इस हिंसक रैली पर शर्मिंदगी जता रहे हैं वहीं विपक्षी दल सरकार को कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे।

बेल्जियम में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला व डर लीयोन विश्व आर्थिक मंच पर संबोधित करती हुई।

करीमा बलूच के शव के अनादर को लेकर विपक्षियों के निशाने पर इमरान सरकार

पेशावर, (एजेंसी)। पाकिस्तानी असंतुष्ट और महिला अधिकार कार्यकर्ता करीमा बलूच की मौत पाकिस्तान के गले की हड्डी बनता जा रहा है। पाकिस्तान के विपक्षी नेताओं ने करीमा बलूच के शव का निरादर करने पर भी इमरान सरकार को आड़े हाथों लिया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की नेता मरयम नवाज ने कहा है कि इमरान सरकार अब चारों तरफ से बुरी तरह घिर चुकी है इसलिए सत्ता छोड़ने के अलावा इसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। वह विपक्षियों से बात करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है, लेकिन अब यह तय किया गया है कि सरकार से किसी भी तरह की कोई बात नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अब संसद में विपक्षी सांसद इस्तीफा देंगे। इस विषय में सभी विपक्षी दलों से विचार-विमर्श किया जा रहा है। सांसदों के इस्तीफा दिए जाने के बाद लंबा मार्च निकाला जाएगा।

मरयम नवाज ने यह बयान संसद में सभी दलों की बैठक के बाद दिया। इधर पाकिस्तान के उच्च सदन (सीनेट) में विपक्षी दलों ने बलूच अधिकार कार्यकर्ता करीमा बलूच के शव का निरादर करने की कड़ी आलोचना की। करीमा बलूच का शव रविवार, 25 जनवरी को कड़ी सुरक्षा में दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान स्थित उनके गांव में दफना दिया गया। प्रदर्शन और असंतोष भड़कने से डरी हुई सरकारी एजेंसियों ने सिर्फ बलूच के निकटवर्ती स्वजनों को ही अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दी। इस दौरान मोबाइल फोन सर्विस को भी बंद रखा गया था। करीमा के भाई समीर मेहराब ने ट्वीट किया, पाकिस्तानी सेना ने करीमा के कफन को दफनाने के लिए महिलाओं को अनुमति दी लेकिन मैं इस बात से खुश हूं क्योंकि करीमा महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए आवाज उठाती रही है। करीमा बलूच (7) वर्ष 2016 से कनाडा में निर्वासित जीवन व्यतीत कर रही थीं। लापता होने के एक दिन बाद गत वर्ष 22 दिसंबर को उनका शव टोरंटो की एक झील के पास मिला था। करीमा की मौत का जिम्मेदार पाक खुफिया एजेंसी को बताया गया था।

भारतीय वाणिज्य दूतावास में मनाया गया गणतंत्र दिवस का जश्न

ह्यूस्टन, (एजेंसी)। अमेरिका के ह्यूस्टन में भारतीय वाणिज्य दूतावास में 72वें गणतंत्र दिवस का जश्न मनाया गया। कोविड-19 के कारण स्थानीय जन स्वास्थ्य के लिए जारी दिशा-निदेर्शों के कारण भारतीय समुदाय के लोग इस समारोह में ऑनलाइन शामिल हुए। भारत के महावाणिज्यदूत असीम आर महाजन ने तिरंगा फहराया, जिसके बाद राष्ट्रगान हुआ और फिर महाजन ने राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद का भाषण पढ़ा। महाजन ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए वैश्विक महामारी के दौरान उनके प्रयासों और दो देशों को करीब लाने में उनकी भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा, यहां रहने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदाय के कारण देश के इस हिस्से के साथ भारत का एक मजबूत संबंध है। महावाणिज्यदूत ने दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रमों का भी जिक्र भी किया। उन्होंने कहा, भारत ने हाल ही में एक नई शिक्षा नीति पेश की है, जो शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में हमारी साझेदारी को गहरा करने की अपार संभावनाएं प्रदान करती है। हम संस्थाओं के बीच संबंध, संयुक्त आदान-प्रदान कार्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान तथा नवाचार के क्षेत्रों में भागीदारी के लिए दक्षिणी अमेरिका में कई शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थानों के साथ काम कर रहे हैं। समारोह का समापन कुछ स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति के साथ हुआ। महाजन इंडियन हाउस में भी गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए।

अमेरिका में कैपिटल में दंगे का एक आरोपी गिरफ्तार

डलास, (एजेंसी)। अमेरिका स्थित कैपिटल में इस महीने हुए हमले में शामिल होने के आरोप में टेक्सास के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने यह जानकारी दी। आरोपी ने दंगे के दौरान जो शर्ट पहनी थी उस पर एक संदेश लिखा जिसका आशय था कि मीडिया की हत्या कर दो। आपराधिक शिकायत के अनुसार सरकारी काम में रुकावट पैदा करने, अनधिकृत प्रवेश के लिए प्रतिबंधित इमारत में घुसने और कैपिटल परिसर में प्रदर्शन करने के लिए 30 वर्षीय निकोलस डी कार्लो पर मामला दर्ज किया गया है।

जांचकताओं ने कहा कि बुल्सन, टेक्सास के रहने वाले डी कार्लो को छह जनवरी को कैपिटल के भीतर सिगरेट फूंकते हुए तस्वीरों में देखा गया। आरोपी ने यह भी दावा किया था कि वह एमटी मीडिया न्यूज के लिए काम करता है जिसका अर्थ है मर्डर द मीडिया न्यूज।

कुछ तस्वीरों में डी कार्लो को निकोलस ऑक्स के साथ देखा गया जो नव फासीवादी समूह प्राउड बॉयज की हवाई स्थित शाखा के संस्थापकों में से एक है। एक तस्वीर में इन दोनों व्यक्तियों को कैपिटल के भीतर एक दरवाजे के सामने खड़ा देखा गया जिस पर लिखा था मीडिया की हत्या कर दो। प्रतीत होता है कि यह शब्द लकड़ी पर उकेरे गए थे। एफबीआई के अनुसार, डी कार्लो ने हैट लगाई थी और एक शर्ट पहनी थी, जिस पर लिखा था एमटी मीडिया। प्रतिबंधित इमारत में अनधिकृत प्रवेश के लिए ऑक्स को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी साझा मूल्यों पर

वाशिंगटन, (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी साझा मूल्यों पर बनी है और वे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। यह कहना है अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू का। गणतंत्र दिवस पर अपने संबोधन में भारतीय राजदूत ने कहा,इन सब में, भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका के साथ हमारे संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

राजदूत ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि समुदाय दोनों देशों को पास लाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेगा। संधू ने कहा,हम राष्ट्रपति जोसेफ बाइडन और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस नीत नए प्रशासन के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका के बीच साझेदारी लोकतंत्र, बहुलवाद और कानून के शासन जैसे साझा मूल्यों की नींव पर बनी है। अंतरिक्ष से लेकर नैनोटेक्नॉलॉजी, हिंद-प्रशांत से लेकर जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य देखभाल से लेकर शिक्षा और आईटी तक.... इस बात को मान्यता मिली है कि हमारी साझेदारी से सिर्फ हमारे दो राष्ट्रों को ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को फायदा हो सकता है। भारत के 72वें गणतंत्र दिवस का समारोह कोविड-19 के कारण ऑनलाइन आयोजित किया गया था, जिसमें देशभर के सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों ने शिरकत की। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या के संबोधन को भी यहां चलाया गया।

इस दौरान कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें रिचमेंड के गंधर्व स्कूल ऑफ म्यूज़िक के छात्रों ने देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति दी। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई पर संधू ने कहा कि अमेरिका और भारत दोनों ने टीके विकसित कर लिए हैं और अब व्यापक स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने कहा, भारत में, हम दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चला रहे हैं। भारत सरकार ने इस बात का भी खासतौर पर ध्यान रखा है कि भारत में बनें टीके अन्य देशों, हमारे पड़ोसी देशों, दोस्तों और साझेदारों को भी मिलें।

मोजांबिक में इलोसी तूफान से करीब ढ़ाई लाख लोग प्रभावित हुए।

बाइडन प्रशासन के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं : संधू

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी साझा मूल्यों पर बनी है और वे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। संधू ने गणतंत्र दिवस पर अपने संबोधन में कहा, इन सब में भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिका के साथ हमारे संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। राजदूत ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि समुदाय दोनों देशों को पास लाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेगा।

संधू ने कहा, हम राष्ट्रपति जोसेफ बाइडन और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस नीत नए प्रशासन के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका के बीच साझेदारी लोकतंत्र, बहुलवाद और कानून के शासन जैसे साझा मूल्यों की नींव पर बनी है। अंतरिक्ष से लेकर नैनोटेक्नॉलॉजी, हिंद-प्रशांत से लेकर जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य देखभाल से लेकर शिक्षा और आईटी तक। इस बात को मान्यता मिली है कि हमारी साझेदारी से सिर्फ हमारे दो राष्ट्रों को ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को फायदा हो सकता है। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई पर संधू ने कहा कि अमेरिका और भारत दोनों ने टीके विकसित कर लिए हैं और अब व्यापक स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने कहा, भारत में, हम दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चला रहे हैं। भारत सरकार ने इस बात का भी खासतौर पर ध्यान रखा है कि भारत में बनें टीके अन्य देशों, हमारे पड़ोसी देशों, दोस्तों, साझेदारों को भी मिलें। भारत के 72वें गणतंत्र दिवस का समारोह कोविड-19 के कारण ऑनलाइन आयोजित किया गया था, जिसमें सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों ने शिरकत की।

दुनिया के सबसे ठंडे स्थान से मिला 40 हजार साल पुराना गैंडा, टेंशन में आए वैज्ञानिक

मास्को, (एजेंसी)। दुनिया के रहने योग्य सबसे ठंडे स्थानों में शुमार रूस के साइबेरिया इलाके से बर्फ के बीच वूली गैंडे का विशाल अवशेष मिला है। वूली गैंडे का यह अवशेष याकूतिआन इलाके में पाया गया है जो हमेशा बर्फ से ढंका रहता है। इस अवशेष को अब साइबेरिया के याकूतस्क शहर भेज दिया गया है, जहां अब इसका वस्तृत अध्ययन किया जा सकेगा। गैंडे का यह अवशेष करीब 40 हजार साल पुराना है। इस गैंडे के अवशेष मिलने के बाद वूली गैंडे के अवशेष को मीडिया के सामने पेश किया। करीब 40 हजार साल बीत जाने के बाद भी इस वूली गैंडे का 80 फीसदी ऑर्गैनिक मटिरियल अभी भी बना हुआ है। इसमें गैंडे के बाल, दांत, सींग और फैट अभी भी बने हुए हैं। गैंडे की खोज पिछले साल अगस्त महीने में याकूतिआन के निर्जन इलाके में बर्फ के पिघलने के दौरान हुई थी।

पूरे इलाके में रास्ते के बर्फ से जमे होने की वजह से इस गैंडे के अवशेष को जनवरी में लाया जा सका। याकूतिआ अकादम ऑफ साइंसेज के डॉक्टर गेन्नाडी बोइस्कोरोव ने कहा, यह किशोर वूली गैंडा करीब 236 सेंटीमीटर का है, जो एक वयस्क गैंडे से करीब एक मीटर कम है। उन्होंने कहा कि गैंडा करीब 130 सेंटीमीटर ऊंचा है जो एक वयस्क गैंडे से 25 सेंटीमीटर कम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किशोर वूली गैंडा इंसानी शिकारियों से बचने के लिए भाग रहा था और इसी दौरान वह दलदल में फंस गया। हालांकि उसके मरने की असली वजह अभी तक नहीं पता चल पाई हैं। इस अवशेष से अब वैज्ञानिक वूली गैंडे के बारे में और जानकारी जुटा सकेंगे। रूस के साइबेरिया में अब बर्फ पिघल रही है और लगातार कई खोजें हो रही हैं। साथ ही यह भी चिंता बढ़ती जा रही है कि प्राचीन बैक्टिरिया और वायरस फिर से जिंदा हो सकते हैं जो हजारों, लाखों साल से बर्फ में दबे हुए हैं। माना जाता है कि जलवायु में परिवर्तन की वजह से इन गैंडों की मौत हुई थी।

जानी-मानी अर्थशास्त्री जेनेट येलेन बनीं अमेरिका की पहली महिला वित्त मंत्री

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। जानी-मानी अर्थशास्त्री जेनेट येलेन ने अमेरिका के वित्त मंत्री पद की शपथ ली है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने उन्हें शपथ दिलाई। इस तरह येलेन अमेरिका के इतिहास में पहली महिला वित्त मंत्री बन गई हैं। अमेरिकी सीनेट ने उन्हें वित्त मंत्री बनाए जाने पर मुहर लगाई थी। इसके अलावा सीनेट ने राष्ट्रपति जो बाइडन के लंबे समय से सहयोगी रहे एंटोनी ब्लिंकन को अगला विदेश मंत्री नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

येलेन (74) इससे पहले अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की गवर्नर रह चुकी हैं। उन्होंने 2014 से 2018 के दौरान फेडरल रिजर्व की अगुआई की। सोमवार को सीनेट ने 84 बनाम 15 के मत से येनेट को वित्त मंत्री नामित किए जाने पर स्वीकृति दी थी। अब येलेन के सामने कोरोना वायरस महामारी के चलते बदहाल हो चुकी अर्थव्यवस्था को उबारने की जिम्मेदारी है। इससे पहले एंटोनी ब्लिंकन को सीनेट ने विदेश मंत्री बनाए जाने को मंजूरी दे दी। ब्लिंकन अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति जो बाइडन के मंत्रिमंडल के चौथे सदस्य बन गए, जिनकी नियुक्ति को सीनेट की मंजूरी मिल गई है। ब्लिंकन और येलेन के अलावा सीनेट ने राष्ट्रीय सतर्कता विभाग के निदेशक पद के लिए एव्रिल हेनेस और रक्षा मंत्री के पद के लिए लॉयड ऑस्टिन के नाम पर मुहर लगाई है। अमेरिका कोरोना वायरस महामारी से सर्वाधिक प्रभावित देश है। अब तक अमेरिका में महामारी के चलते 4.20 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देश में अब तक ढाई करोड़ से अधिक लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। राष्ट्रपति बाइडन ने महामारी से अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए 1.9 हजार अरब डॉलर के पैकेज का प्रस्ताव दिया है। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने सदन में कहा, येलेन के नामांकन को दोनों दलों के समर्थन से उनके अनुभव की स्वीकार्यता का पता चलता है। इससे यह भी पता चलता है कि हमारे समय की आर्थिक चुनौतियों का प्रबंधन करने के लिये उनकी योग्यता कितनी अनुकूल है। अमेरिकी सीनेट में सत्ताधारी डेमोक्रटिक पार्टी और विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी दोनों के 50-50 सदस्य हैं। येलेन ने ब्राउन और येल से स्नातक किया है। उन्होंने दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र पढ़ाया है। वैश्विक वित्तीय संकट से गिरती बेरोजगारी और सतत आर्थिक सुधार के दौर में फेडरल रिजर्व की गवर्नर के रूप में कार्यकाल के लिए येलेन को याद किया जाता है।

बर्मिंघम में आये तूफान के बाद बिजली की आपूर्ति को फिर शुरू करने का प्रयास करते हुए कर्मचारी।

2026 में बस जाएगी मंगल और गुरु के बीच इंसानी बस्ती

लंदन, (एजेंसी)। कई लोगों को लग रहा हो कि वैज्ञानिक अनुसंधान और शोधों का ध्यान अब अंतरिक्ष से हटकर पृथ्वी की जलवायु परिवर्तन पर ज्यादा होने वाला है। फिर भी अंतरिक्ष अनुसंधान पर हो रहे शोधों में कमी आएगी इसकी संभावना कम ही है। दुनिया के तमाम देशों के मंगल और अन्य अंतरिक्ष अनुसंधान योजनाओं पर काम करते ही रहेंगे जो बहुत दूरगामी हैं। इसी बीच फिनलैंड के एक वैज्ञानिक ने अपने तर्कों के साथ दिलचस्प दावा किया है कि साल 2026 तक मंगल और गुरू ग्रह के बीच इंसानी बस्ती बस सकती है। वैज्ञानिक डॉ पेक्का जेन ह्यूनेन ने दावा किया है कि मंगल और गुरू ग्रह के बीच क्षुद्रग्रहों की पट्टी में एक बड़े पिंड में इंसान की बस्ती बसाई जा सकती है। जेनह्यूनेन एक अंतरिक्ष भौतिकविद, खगोलजीवविज्ञानी और आविष्कारक हैं। यही वजह है कि उनका यह दावा भले ही कितना अव्यवहारिक या असंभव लगे, लेकिन लोगों का ध्यान खीचने में सफल रहा है।

न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक जेनह्यूनेन ने इस महीने अपने एक शोधपत्र में तैरते हुए विशाल सैटेलाइट पर एक रूपरेखा तक पेश की है। वैज्ञानिक का कहना है कि पृथ्वी से 32.5 करोड़ मील दूर सीरेस नाम के बौने ग्रह के आसपास सैटेलाइट घूमेंगे। इससे वहां कृत्रिम गुरुत्व की मदद से वहां बसाहट के लिए प्रेरणा मिलेगी। फिलहाल पृथ्वी के बाहर की बसाहट का ज्यादातर ध्यान चंद्रमा और मंगल ग्रह के बारे में है क्योंकि ये दोनों पृथ्वी से ज्यादा दूर नहीं हैं। यह सब कैसे संभव है, इस सवाल का जवाब देते हुए जेनह्यूनेन ने एक डिस्क के आकार के आवास का पूवार्नुमान लगाया है जिसमें हजारों बेलनाकार की फली जैसी संरचनाएं होंगी, जिसमें हर एक में 50 हजार लोग रह सकेंगे। हर फली शक्तिशाली चुंबक से जुड़ी होंगी जिससे धूर्णन पैदा होगा और कृत्रिम गुरुत्व बनेगा। आज से 15 साल बाद सीरेस की सतह के 600 मील के नीचे तक उत्खनन कर सकेंगे और उसे अंतरिक्षीय एलीवेटर्स का उपयोग कर ऊपर ला सकेंगे। जेनह्यूनेन का कहना है कि सेरेस से सामग्री उठाना ऊर्जा के लिहाज से सस्ता पड़ेगा। सीरेस का गुरुत्व कम है और तुलनात्मक रूप से तेजी से घूमता है, वहां स्पेस एलीवेटर उपयुक्त होंगे। सीरेस क्षुद्रग्रह की पट्टी में सबसे विशाल पिंड है। इसके नाइट्रोजन सम्पन्न वायुमंडल के कारण यह पृथ्वी से बाहर बसाहट के लिहाज से उपयुक्त है।

सुप्रीम कोर्ट से भाजपा सांसद मनोज तिवारी और विधायक विजेंद्र गुप्ता को राहत

नई दिल्ली। आपराधिक मानहानि के मामले में आरोपित भाजपा सांसद मनोज तिवारी और विधायक विजेंद्र गुप्ता के खिलाफ मुकदमा चलाने पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अपने फैसले में यह रोक लगाई है।

बता दें कि इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने सांसद मनोज तिवारी व विजेंद्र गुप्ता की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा आपराधिक मानहानि के मामले में निचली अदालत द्वारा बतौर आरोपी समन जारी करने के आदेश को चुनौती दी थी।

मनोज सिसोदिया की याचिका में कहा गया था कि मनोज तिवारी समेत 6 भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों की कक्षाओं के निर्माण में भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाए हैं, जिससे दिल्ली सरकार की छवि खराब हुई।

मनीष सिसोदिया ने यह भी आरोप लगाया था कि मनोज तिवारी और विजेंद्र गुप्ता समेत इन भाजपा नेताओं ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में झूठे आरोप फैलाए और हमारी छवि खराब करने की कोशिश की। याचिका के मुताबिक, इन भाजपा नेताओं ने जो आरोप लगाया था कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों के कक्षाओं के निर्माण में दो हजार करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया गया है, जबकि इसका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं है।

दरअसल, 1 जुलाई 2019 को तत्काली दिल्ली भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने एक पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया था कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों के निर्माण में यानी कमरों के निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है। आरोपों के तहत मनोज तिवारी ने एक आरटीआई के हवाले से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था।

हरियाणा की दहिया खाप से किसान आंदोलन को लग सकता है बड़ा झटका,समर्थन पर होगा विचार

नई दिल्ली। किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान दिल्ली में मंगलवार को हुई हिंसा के बाद आंदोलन के जारी रहने पर ही सवाल उठने लगे हैं। हिंसा के 24 घंटे के भीतर दिल्ली के गाजीपुर और नोएडा बॉर्डर पर बैठे 2 किसान संगठनों ने अपना आंदोलन जारी नहीं रखने का फैसला किया है। इस बीच ट्रैक्टर परेड की आड़ में देश की राजधानी दिल्ली में लालकिले पर तिरंगे की जगह अन्य झंडा फहराए जाने के बाद दहिया खाप के प्रधान सुरेंद्र दहिया ने जल्द ही सर्वखाप की पंचायत बुलाकर किसान यूनियनों को दिए गए नैतिक समर्थन पर विचार करने की बात कही है।

अगर ऐसा हुआ तो तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद कराने की मांग को लेकर पिछले 2 महीने से भी अधिक समय से बैठे किसानों के लिए बड़ा झटका साबित होगा। दहिया खाप के प्रधान सुरेंद्र दहिया ने बुधवार को कहा कि किसी भी स्तर पर इस बात को सहन नहीं किया जा सकता है कि लालकिले पर तिरंगे की जगह कोई और झंडा दिखाई दे। देश की एकता और अखंडता को इस प्रकार से किसी को भी तोड़ने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।

देश की आन, बान और शान तिरंगे की जगह ना आज तक किसी अन्य झंडे ने ली और ना ही ले सकता है। दहिया खाप के प्रधान यह भी कहा कि सबसे पहले तो वे सरकार ये मांग करते हैं कि जब जीएसटी कानून में अब तक एक दर्जन से ज्यादा संशोधन किए जा चुके हैं तो कृषि कानून में भी जरूरत के मुताबिक बदलाव किए जाने चाहिए। वहीं, दूसरी तरफ जल्द ही सर्वखाप अपनी पंचायत कर किसान यूनियनों को दिए गए नैतिक समर्थन को लेकर भी विचार-विमर्श करेगी। समर्थन देते समय उनकी पहली शर्त यही थी कि इस आंदोलन को समरसता, सौहार्द व शांतिपूर्ण तरीके से चलाया जाए लेकिन आंदोलन की आड़ में तिरंगे के बराबर अन्य झंडे को फहराने की इजाजत नहीं दी सकती है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल?ली में हिंसा के बाद अमित शाह ने लिया जायजा, उत्पात मचाने वालों पर सख्ती के निर्देश

नई दिल्ली। किसानों की ट्रैक्टर रैली के दिल्ली में हिंसक होने के एक दिन बाद बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा स्थिति और शहर में शांति सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों का जायजा लिया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की, जिसमें मंगलवार को किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान दिल्ली-एनसीआर में हिंसा देखी। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि किसान नेताओं के खिलाफ पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाएगी, जिन्होंने गणतंत्र दिवस पर निर्दिष्ट मार्गों से शांतिपूर्ण ट्रैक्टर रैली निकालने पर पुलिस के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन वे वादा निभाने में विफल रहे।

ज्ञात रहे कि बैठक के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस 40 किसान नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया। केंद्र सरकार ने पहले ही कानून व्यवस्था बनाए रखने में दिल्ली पुलिस की सहायता के लिए लगभग 4,500 अर्धसैनिक बलों की तैनाती की है। हिंसा के बाद गृह मंत्रालय ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में 12 घंटे के लिए इंटरनेट के अस्थायी निलंबन का आदेश दिया था।

दिल्ली में रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों को भी भेजा गया है और मौजूदा स्थिति को देखते हुए संसद के आसपास सतर्कता बढ़ा दी गई है। हजारों किसानों ने मंगलवार को राजधानी में बैरिकेड को रोकने के लिए बाधाओं को तोड़ दिया। अपनी मांगों को मंगवाने के लिए किसानों की ट्रैक्टर परेड में अराजकता के अभूतपूर्व दृश्यों को देखने को मिला। वे पुलिस के साथ लड़े, वाहनों को पलट दिया और लाल किले पर एक धार्मिक झंडे को फहराया। गणतंत्र दिवस पर राजपथ से लाल किला तक दिन विरोधाभासी दृश्य सामने आए।

एक जगह भारतीयों ने देश की सात दशकों की प्रगति देखी, दूसरी ओर तीन कृषि कानूनों को रद करने की मांग को लेकर इस दिन मुगल कालीन युग के स?मारकों को क्षति पहुंचाई गई। दिल?ली और उसके आसपास कई स्थानों पर पुलिस और किसानों के बीच कई स?थानों पर झड़पें हुईं। हालांकि, इस बात का कोई सटीक अनुमान नहीं है कि कितने किसान आहत हुए। वहीं दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि उनके 300 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए। इनमें से 41 लाल किले पर घायल हुए थे।

डॉ. चमन सिंह भारतीय गणतंत्र सम्मान 2021 से सम्मानित

नई दिल्ली। देश के जाने माने कवि, पर्यावरणविद एवं समाजसेवी डॉ. चमन सिंह ठाकुर को भारतीय गणतंत्र सम्मान 2021 से सम्मानित किया गया है। एसबीपी के चेयरमैन श्री पीयूष पंडित ने 72 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. चमन सिंह ठाकुर की सामाजिक उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि डॉ. सिंह ने समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है जिसको मध्य नजर रखते हुए चयन समिति ने उन्हें भारतीय गणतंत्र सम्मान से सम्मानित करने का फैसला लिया। डॉ. चमन सिंह ठाकुर को इससे पहले भी कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है। इस अवसर पर डॉ. चमन सिंह ने कहा कि मेरे जीवन का एक - एक पल इस राष्ट्र के काम आए। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति को एक नए भारत श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार करने के लिए संकीर्णताओं से बाहर निकल कर आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक होना, सामाजिक विषमताओं को दूर करना तथा सामाजिक कुरीतियों के प्रति आवाज उठाना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। डॉ. चमन सिंह ने कहा कि हमें समाज के उस अंतिम अभावग्रस्त व्यक्ति तक पहुंचना है जिसे भरपेट भोजन नहीं मिलता। हमें उन सभी दीन- दुखी, दलित, पीड़ित- प्रताड़ित, किसान, मजदूर वंचितों के बारे में सोचना है, उनको गले लगाना है जो परिस्थितिवश मूलभूत आवश्यकताओं से आज भी वंचित हैं।

दिल्ली हिंसा मामले में राकेश टिकैत व दर्शन पाल समेत 40 किसान नेताओं के खिलाफ एफआइआर

नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रैक्टर रैली के दौरान मंगलवार को हुई हिंसा के बाद पुलिस सख्त हो गई है। उपद्रव करने के मामले में पुलिस ने अब तक 35 एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में 30 और एफआइआर दर्ज होने की संभावना है। उपद्रवियों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर में किसान नेता राकेश टिकैत, बलजीत सिंह रजवाल, दर्शन पाल, राजिंदर सिंह, बूटा सिंह बुर्जगिल जोगिंदर उमराह, योगेंद्र यादव, गौतम सिंह चढूनी, सरवन सिंह पंधेर और सतनाम पन्नू समेत कई लोगों के नाम प्रमुख रुप से शामिल हैं। इन सभी किसान नेताओं पर ट्रैक्टर परेड के लिए तय किए गए नियम व शर्तों के उल्लंघन का आरोप है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, जितने किसान नेताओं की परेड निकालने को लेकर दिल्ली पुलिस के साथ मीटिंग हुई थी। उन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो सकती है। दिल्ली के नांगलोई थाने में जो एफआईआर दर्ज हुई है उसमें न सिर्फ डकैती की धारा लगाई गई है बल्कि उन 40 किसान नेताओं के नाम भी एफआईआर में शामिल हैं जो सरकार के साथ वार्ता के लिए विज्ञान भवन जाते थे। इसी एफआईआर में योगेंद्र यादव का भी नाम है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने 50 से ज्यादा लोगों को इस मामले में गिरफ्तार भी कर लिया है। नांगलोई पुलिस ने एफआईआर में डकैती की धारा इसलिए जोड़ी है क्योंकि कुछ उपद्रवी नांगलोई में पुलिस से आंसू गैस के करीब 150 गोले भी छीन ले गए थे। वहीं पूर्वी दिल्ली ट्रैक्टर परेड के दौरान हुए उपद्रव में गाजीपुर थाने में तीन और पांडव नगर में एक एफआईआर दर्ज हुई है।

गाजीपुर थाने में जिन उपद्रवियों के खिलाफ केस दर्ज हुई है, उनमें किसान नेता राकेश टिकैत का नाम भी शामिल हैं। राकेश टिकैत के खिलाफ हत्या का प्रयास, दंगा, पुलिस पर हमला, सरकारी व निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अन्य धाराएं लगाई गई है। उधर, पूर्वी जिले में उपद्रव में घायल हुए पुलिसकर्मियों की संख्या 41 हो गई है।

उपद्रवियों की क्रूरता का वीडियो आया सामने, जान बचाने को खाई में कूद गए थे सुरक्षाकर्मी

नई दिल्ली। उपद्रव के दौरान लालकिले का मंजर बेहद खौफनाक और दहशत से भर देने वाला था। एक तरफ लाठी डंडों और तलवारों से लैस उपद्रवी पुलिसकर्मियों की जान के दुश्मन बने हुए थे, वहीं दूसरी तरफ 20 फीट गहरी खाई, मौत को दावत दे रही थी। ऐसे में सुरक्षाकर्मियों ने जान बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किया, लेकिन जब उपद्रवियों पर उनकी मिन्नतों का भी असर नहीं हुआ तो उन्होंने इस खाई में ही छलांग लगा दी। इसका नतीजा यह हुआ कि 20 से अधिक जवान चोटिल हो गए। लाल किला की प्राचीर पर उपद्रवी अपना झंडा फहराने की कोशिश करने लगे। अर्धसैनिक बल के जवानों ने उनको रोकना चाहा तो जवानों पर टूट पड़े। वहीं, लालकिला से लगी खाई के किनारे खड़े 40 सेअधिक जवानों को भी घेर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, लालकिले की प्राचीन पर तिरंगा के साथ कथित झंडा फहराते समय उन्हें ऐसा करने से रोकने की कोशिश करते अर्धसैनिक बल के जवान को खींच कर गुंबद से नीचे गिरा दिया। इतना ही पुलिसकर्मियों पर ट्रैक्टर चलाने के साथ कातिलाना धावा बोल दिया। तलवार और लोहे की राड के साथ अन्य हथियारों से सुरक्षा में लगे जवानों पर टूट पड़े। कितने पुलसकर्मियों के साथ दूसरे लोगों के सिर फोड़ दिए।हालात यह रहा कि लालकिला से लगायत चल रही खाई के किनारे खड़े 40 से अधिक जवानों पर घेरकर एक साथ हमला बोल दिया। पुलिस के जवान चाहते तो अपने बचाव में रक्षात्मक गोलियां चला सकते थे। पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। बल्कि हमलों को सहते हुए खुद की जान बचाने के लिए एक-एक कर खाई में कूदने लगे। तकरीबन 20 फुट गहरी खाई में कूदने से कई जवानों को गंभीर चोटे आई। लाल किला परिसर के चारों ओर बनी यह खाई सुरक्षा के लिए बनाई गई थी।

दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर सीमेंट के बैरिकेड्स की संख्या बढ़ाई

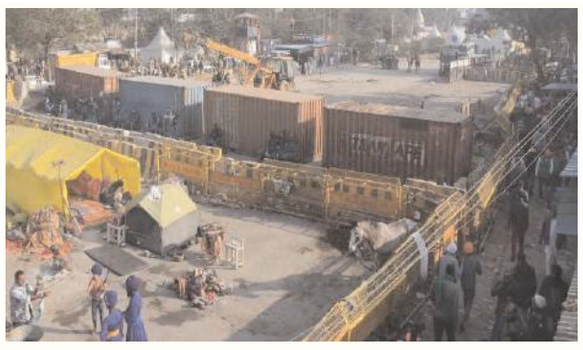

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार को हुई हिंसा के बाद सिंघु बॉर्डर पर दोबारा कंटेनर लगाकर बैरिकेडिंग कर दी गई है। इससे पहले 26 जनवरी को उपद्रवियों ने कंटेनर व अन्य बैरिकेड हटा दिए थे। दिल्ली में मंगलवार को ट्रैक्टर परेड के दौरान लालकिले पर तिरंगे की जगह अन्य झंडा फहराए जाने के बाद दहिया खाप के प्रधान सुरेंद्र दहिया ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही सर्वखाप की पंचायत बुलाकर किसान यूनियनों को दिए गए नैतिक समर्थन पर विचार किया जाएगा।उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर इस बात को सहन नहीं किया जा सकता है कि लालकिले पर तिरंगे की जगह कोई और झंडा दिखाई दे। राजधानी दिल्ली में 26 जनवरी के दिन हुई हिंसा को लेकर ट्वीटर ने बड़ा कदम उठाया है। उसने फेक न्यूज फैलाने के शक में 550 ट्वीटर अकाउंट सस्पेंड कर दिए हैं। इस बड़ी कार्रवाई बताया जा रहा है। वहीं, मंगलवार को किसान ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई हिंसा के बाद किसान संगठनों में बड़ी फूट सामने आ रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, भारतीय किसान यूनियन भानु थोड़ी देर में अपना धरना समाप्त करने का एलान कर सकता है। खालिस्तानी संगठन स्वछ ने आगामी 1 फरवरी को संसद पर कब्जा करने के लिए कहा है। साथ ही लाल किले के बाद संसद का घेराव करने की भी धमकी दी है। इतना ही नहीं, लाल किले पर झंडा फहराने वाले शख्स को इनाम देने का भी एलान किया गया है। गणतंत्र दिवस पर 26 जनवरी के दिन उपद्रवी किसानों द्वारा तोड़फोड़ मामले में दिल्ली पुलिस ने 200 लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि इस हिंसा में कई नेता भी घेरे में, इन पर भी जल्द ही कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, किसानों ने मंगलवार को लाल किला परिसर के भीतर घुसकर हंगामा किया था। एक दिन बाद लाल किला परिसर के अंदर की तस्वीरें जारी हुई हैं। इसमें साफ देखा जा सकता है कि किस तरह उपद्रवियों ने वहां पर रखे सामान को नुकसान पहुंचाया है। उपद्रव करने के मामले में दिल्ली पुलिस अब तक 22 एफआइआर दर्ज की जा चुकी है। उपद्रव के दौरान 300 पुलिस कर्मी घायल हुए थे। अब तक इस मामले में पुलिस 200 लोगों को हिरासत में ले चुकी है। ये वो है जो उपद्रव के दौरान घायल हुए थे और अलग अलग अस्पतालों में भर्ती हुए थे। पुलिस इन्हें पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लेगी। गणतंत्र दिवस के बाद नोएडा-दिल्ली बार्डर की सड़कों पर बुधवार को जाम रहा। सरकारी कार्यदिवस होने के चलते फैक्ट्री, दफ्तर खुले होने के चलते नोएडा से दिल्ली जा रहे वाहन चालक डीएनडी व कालिंदी कुंज के पास जाम में फंसे। सबसे अधिक जाम सेक्टर-16 फिल्म सिटी फ्लाईओवर से डीएनडी टोल प्लाजा तक जाम रहा। करीब तीन किलोमीटर लंबा जाम रहा। जाम में फंसे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार सुबह 10:30 बजे के करीब इंटरनेट सेवा बहाल हो गई। इससे दिल्ली-एनसीआर के करोड़ों लोगों ने राहत की सांस ली है। इससे पहले मंगलवार को दोपहर में दिल्ली के कई इलाकों के साथ सोनीपत, नोएडा और गाजियाबाद में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने बुधवार सुबह लाल किला पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। एक दिन पहले मंगलवार को प्रदर्शनकारी किसानों ने हिंसा के दौरा लाल किल पर झंडा लगा दिया था। इसके साथ लाल किला परिसर के अंदर घुसकर तोड़फोड़ भी की थी।

उपद्रवी किसानों ने लाल किले से लूटे पुलिस के हथियार

नई दिल्ली। 26 जनवरी के दिन किसान ट्रैक्टर परेड के नाम पर उपद्रव मचाने वालों ने लाल किले को भी काफी नुकसान पहुंचाया, यहां काफी कुछ तहस नहस कर दिया। बुकिंग काउंटर, मेटल डिटेक्टर, सीआइएसएफ की जीप, परेड में शामिल रही झांकियां आदि तोड़ी गई।

उपद्रवियों ने यहां पुलिस के कुछ हथियार भी लूटे हैं उसकी तस्वीर अब सामने आई है। इन सबसे जब इन उपद्रवियों का मन नहीं भरा तो इन्होंने यहां बनी पुलिस चौकी पर मौजूद पुलिस कर्मियों के साथ भी मारपीट की, ट्रैक्टर से लाल किले की सुरक्षा में मौजूद पुलिस वालों को किले के पास बनी खाई में गिराने की कोशिश की, इसमें काफी संख्या में पुलिस वाले घायल भी हुए। इसके अतिरिक्त भीड़ ने यहां लूटपाट को भी अंजाम दिया। जिसको जो मिला वो यहां से लूटकर अपने साथ ले गया।

किसान प्रदर्शनकारियों से ग्रामीण नाराज, दिया 24 घंटे में हाईवे खाली करने का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर साहबी पुल के निकट धरना दे रहे आंदोलनकारी किसानों से आस-पास के गांवों के प्रतिनिधियों ने खाली करने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। दूसरी ओर हाईवे पर शाहजहांपुर खेड़ा बॉर्डर पर हरियाणा पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने जय किसान आंदोलन के संयोजक योगेंद्र यादव का पुतला जलाकर लाल किला पर हुई घटना का विरोध दर्ज कराया है। प्रशासन की ओर से भी धरना प्रदर्शन कर रहे किसानों को 3 सुझाव दिए गए हैं। आंदोलनकारी किसानों की ओर से अभी कोई जवाब नहीं आया है। बुधवार को गांव डूंगरवास में आस-पास के गांवों के ग्रामीणों की मसानी के सरपंच कैप्टन लाला राम की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में गांव डूंगरवास, मसानी, जोनावास, तीतरपुर, निगानियावास, खरखड़ा, रसगण, जीतपुरा व निखरी आदि गांव के ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि एक महीने से आंदोलनकारियों ने दिल्ली-जयपुर हाईवे को बंधक बनाया हुआ है, जिस कारण आसपास के ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। हाईवे का ट्रैफिक गांव से गुजर रहा है तथा गांवों के लिंक रोड व पानी की पाइप लाइनें टूट चुकी है। वाहनों की टक्कर से बिजली के खंभे टूट गए हैं। उन्होंने कहा कि मंगलवार को किसान आंदोलन की आड़ में लाल किला पर तिरंगा अपमान हुआ है, जो किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं किया जाएगा। बैठक में ग्रामीणों द्वारा गठित कमेटी सरपंच लालाराम की अगुवाई में आंदोलनकारी किसानों के नेताओं से भी मुलाकात की तथा 24 घंटे में हाईवे खाली करने का अल्टीमेटम दिया। ग्रामीणों के हाईवे पर पहुंचने के कारण एक बार तनाव की स्थिति बन गई थी। बातचीत के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। ग्रामीणों ने कहा कि यदि 24 घंटे में हाईवे खाली नहीं किया गया तो फिर से पंचायत कर आगामी रणनीति तैयार की जाएगी। दूसरी ओर हरियाणा पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन की बैठक भी शाहजहांपुर-खेड़ा बार्डर पर हुई। एसोसिएशन ने जय किसान आंदोलन के संयोजक योगेंद्र यादव से भी मुलाकात की तथा हाईवे खोलने का आग्रह किया। सकारात्मक जवाब नहीं मिलने पर पेट्रोलियम एसोसिएशन व ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने योगेंद्र यादव का पुतला जलाया तथा शाहजहांपुर-खेड़ा बार्डर पर धरने पर बैठ गए। पेट्रोलियम एसोसिएशन ने हाईवे खोलने के लिए 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। हाईवे नहीं खुलने पर बुधवार को करनावास स्थित तेल टर्मिनल डिपो के सामने धरना शुरू करने की चेतावनी दी है। करनावास में इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम व रिलायंस के तेल डिपो है। रेवाड़ी से प्रदेश के 9 जिलों के पेट्रोल पंपों पर तेल की आपूर्ति होती है। मसानी बैराज पर बैठे आंदोलनकारी किसानों को प्रशासन की ओर से भी तीन सुझाव दिए गए है।

दिल्ली हिंसा के बाद किसान आंदोलन में बड़ी फूट, दो गुटों ने खत्म किया धरना

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में पिछले 2 महीने से भी अधिक समय से चल रहे किसान आंदोलन से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है। दिल?ली में 26 जनवरी को किसानों की ट्रै?टर परेड के समय हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद किसान संगठनों में बड़ी फूट हो गई है। बुधवार को गाजीपुर बॉर्डर पर तीनों कृषि कानूनों को रद कराने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे वीएम सिंह (मुखिया, राष्ट्रीय किसान आंदोलन संगठन) ने धरना-प्रदर्शन खत?म करने का एलान किया है। वहीं, दूसरी और दिल्ली-नोएडा स्थित चिल?ला बॉर्डर पर धरना दे रहे भानू गुट ने भी धरना खत?म कर दिया है। दोनों ही गुटों ने लाल किले पर दूसरे रंग का ध?वज फहराए जाने के विरोध में आंदोलन को खत?म किया है। भानू गुट ने इसे गलत बताते हुए धरना खत्म करने के लिए कोर कमेटी की बैठक जिसके बाद यह धरना खत्म किया। इधर गाजीपुर बॉर्डर पर पीसी में किसान नेता वीएम सिंह बोले कि बुधवार को आज गाजीपुर बॉर्डर पर से हट जाएंगे। राष्ट्रीय किसान आंदोलन संगठन अब इस आंदोलन का हिस्सा नहीं है। कल की हिंसाकी निंदा करते हुए कहा कि जो भी इसके जिम्मेदार हैं उन सभी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, खरखौदा के ट्रैक्टर परेड की आड़ में लालकिले पर तिरंगे की जगह अन्य झंडा फहराए जाने के बाद दहिया खाप के प्रधान सुरेंद्र दहिया ने जल्द ही सर्वखाप की पंचायत बुलाकर किसान यूनियनों को दिए गए नैतिक समर्थन पर विचार करने की बात कही है। इधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को हुई हिंसा को लेकर कहा है कि किसानों ने हिंसा शुरू करने वाले 15 लोगों को सौंप दिया। उनके पास सरकार के पहचान पत्र हैं। अब आप यह समझ सकते हैं कि सरकार में कौन है। यह शांतिपूर्ण आंदोलन को विफल करने के लिए ठोस साजिश थी। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को गाजीपुर सीमा पर पुलिस ने उस मार्ग को रोक दिया जो ट्रैक्टर रैली के लिए नियोजित मार्ग था।

हाथों में हथियार और सिर पर खून सवार था, घायल महिला कांस्टेबल ने होश में आते ही बताई आपबीती

नई दिल्ली। 26 जनवरी को किसान ट्रैक्टर रैली के बाद दिल्ली के लाल किले में हुई हिंसा में कई पुलिस के जवान घायल हो गए थे। इस पूरे घटना का कई वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इंटरनेट पर मौजूद कई वीडियो तो इतना डरावना है कि इसे देख कर उस वक?त के हिंसा का अंदाजा लगाने मात्र से ही रूह सिहर उठती है।

इसी लाल किले पर हुई हिंसा में घायल एक महिला कांस्टेबल रितु होश में आते ही इस पूरे घटनाक्रम का जिक्र किया। महिला पुलिस के खुलासे ये यह पूरी घटना काफी चौंकाने वाली है। महिला पुलिसकर्मी रितु ने बताया कि उस दिन (26 जनवरी) को मैं अपने साथियों के साथ लाल किले पर ड्यूटी के लिए तैनात थी। इसी क्रम में कई उग्र लोग ट्रैक?टर लिए हुए हिंसा फैलाते हुए लाल किले के परिसर के पास आ गए। इसके बाद जो नजारा था वह काफी हैरान करने वाला था। सभी के हाथ में तलवार, लाठी, पत्थर के साथ कई अन्य चीजे थीं। सभी को देखकर ऐसा लग रहा था मानों इन पर खून सवार था। जैसे ही यह हिंसक भीड़ हमारी तरफ बढ़ी उसी दौरान भागने के क्रम में एक ग्रिल मेरी पैर पर गिर पड़ा। इसी ग्रिल से मेरी एक सहकर्मी के रिब्स को काफी चोट लगी। इस तेज चोट के कारण हमें काफी ज्यादा दर्द होने लगा। हम चल नहीं पा रहे थे। यह पूरा मंजर काफी भयावह था। इसे सोचकर भी हम डर जाते हैं। समाचार एजेंसी के अनुसार एसएचओ (वजीराबाद) पीसी यादव ने बताया कि हमारी तैनाती लाल किल पर थी। इसी दौरान कई लोगों ने लाल किले में घुसने का प्रयास किया। जब हम उनका रास्ता रोकने में कामयाब हो गए तब भीड़ उग्र हो गई। सभी आक्रामक होने लगे। यादव ने आगे बताया कि हम लोग किसानों के खिलाफ बल प्रयोग नहीं करना चाहते थे। इसलिए जहां तक संभव हो सका हमने उन्हें रोकने का प्रयास किया।

दिल्ली हिंसा के लिए 37 किसान नेता जिम्मेदार

नई दिल्ली। किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शन को लेकर देशभर में हंगामा मचा हुआ है। इस बीच इस हिंसा को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। वहीं, इस पूरे मामले में दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पत्रकार वार्ता की। इसमें दिल्ली पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव हिंसा को लेकर कई अहम खुलासे किए। दिल्ली पुलिस की एफआइआर के हिसाब से 37 किसान नेता इस हिंसा के लिए जिम्मेदार रहे। इनमें मेधा पाटकर, बूटा सिंह, योगेंद्र यादव शामिल हैं। एफआइआर के मुताबिक इन्हें ही जिम्मेदार माना गया है। किसान ट्रैक?टर रैली के बाद दिल?ली में भड़की हिंसा के लिए दिल?ली पुलिस लगातार छानबीन कर रही है। इस हिंसा के लिए दोषी लोगों को खोजा जा रहा है। एफआइआर में यह भी कहा गया है कि किसानों के साथ हुई वार्ता के बाद जो समय और रूट तय किया गया था उसके हिसाब ये यह लोग नहीं चले रहे थे। यह सिर्फ रिपब्लिक डे की परेड में रुकावट डालने के लिए किया गया था। बता दें कि किसानों के इस हिंसक में दिल्ली पुलिस के 83 जवान घायल हो गए हैं। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, अब तक 22 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हिंसा के बाद आधिकारिक जानकारी देते हिए दिल्ली पुलिस ने कहा है कि कृषि कानूनों के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई हिंसा में उनके 83 कर्मचारी घायल हो गए। दिल्ली में किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान 32 से अधिक बसें उपद्रव की भेंट चढ़ गई हैं। इन बसों के शीशे और लाइटें तोड़ दी गई हैं। इसके अंदर अन्य नुकसान भी पहुंचाया गया है। इनमें डीटीसी और क्लस्टर सेवा की बसे शामिल हैं। कुछ स्थानों पर बसों की हवा निकालने की भी कोशिश की गई है। कुछ बसें पुलिस फोर्स को ले जाने के लिए भी लगी थीं। इनमें पांच बसें आइटीओ के आसपास ही तोड़ दी गईं। डीटीसी एक अधिकारी के अनुसार सामान्य दिनों में डीटीसी द्वारा 3,300-3,400 बसों का परिचालन किया जाता है, लेकिन 26 जनवरी को पूरे दिन में 2,875 बसों को उतारा गया। जिसमें सुबह के समय 1,975 बसें और दोपहर के समय में 900 बसों का परिचालन किया गया। डीटीसी ने गणतंत्र दिवस की परेड के चलते कुछ बसों के रूट में भी परिवर्तन भी किया था। सड़कों पर बसों के न होने की वजह से यात्रियों को परेशानी भी हुई। गंतव्य स्थल तक जाने के लिए यात्री भटकते दिखे। ट्रैक्टर परेड के आयोजन के चलते राजधानी के अंतरराज्यीय बस अड्डों पर कम संख्या में बसें पहुंचीं। दूसरे राज्यों की 416 बसों का दिल्ली में आवागमन हुआ। सबसे कम 28 बसें कश्मीरी गेट बस अड्डे पर पहुंची। उसके बाद सराय काले खां बस अड्डे पर 58 और आनंद विहार बस अड्डे पर 330 बसें आईं।

संपादकीय

हमें जाना है तेजस से बहुत आगे

इसकी सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने उन्नत श्रेणी के 83 स्वदेशी तेजस मार्क- 1ए जेट विमानों की खरीद का जो फैसला किया है, उसका देश की अर्थव्यवस्था और रक्षा पर दूरगामी असर पड़ेगा। डिजाइन और विनिर्माण क्षेत्रों में एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्योग) सहित करीब 500 भारतीय कंपनियां इस खरीद में हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ मिलकर काम करेंगी। जाहिर है, इससे हमारी आर्थिकी भी आगे बढ़ेगी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित आकाश मिसाइल, अर्जुन टैंक, ध्रुव हैलिकॉप्टर, पिनाका रॉकेट लॉन्चर, नाग टैंक रोधी मिसाइल जैसी कई उपलब्धियों का भी हमें खासा फायदा मिला है। आज यदि कोई राष्ट्र दुनिया में अपना सिक्का चलाना चाहता है, तो उसे आत्मनिर्भर बनना ही पड़ेगा। मगर आत्मनिर्भरता का अब वह अर्थ नहीं रहा, जिसे पुरानी पीढ़ी के नेता पालते-पोसते रहे। 1960-70 के दशक में जिस तरह की आत्मनिर्भरता की हम वकालत किया करते थे, उसमें हमने खुद को एक लिहाज से दुनिया से काट लिया था। इससे हमारा विकास थम सा गया था और हमारी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई थी। मगर आज आत्मनिर्भरता का मतलब है, अपना दबदबा इस कदर बनाना कि दूसरे देश चाहकर भी हमसे रिश्ता तोड़ न सकें। मसलन, चीन रक्षा क्षेत्र में जहाज से लेकर पनडुब्बी तक सब कुछ बनाता है। वह कृत्रिम बुद्धिमता, यानी एआई का उपयोग इस तरह से करता है कि साइबर व सैटेलाइट युद्ध लड़ने में भी सक्षम है। किसी पर उसकी निर्भरता नहीं है। नतीजतन, कोई देश उससे संबंध नहीं तोड़ सकता।

अपने यहां नेहरू काल से ही सुरक्षा से जुड़े मसले सरकारी संस्थानों के अधीन रहे। हमारा जोर आयात पर अधिक रहा। निजी क्षेत्र को रक्षा उत्पाद विकसित करने की अनुमति नहीं दी गई। मगर हाल के वर्षों में उसका महत्व समझा गया है, जिससे तरक्की के नए दरवाजे खुले। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं है कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने काम नहीं किया। मगर 1962 में हमें यह सबक मिला कि यदि हम किसी देश पर बहुत ज्यादा निर्भर रहेंगे, तो वह हमें मुश्किल में भी डाल सकता है। चीन के साथ 62 की जंग में हमने पहले उस रूस से मदद मांगी थी, जिससे हम हथियार खरीदते रहे थे। मगर तब उसने टका सा जवाब दे दिया था, लिहाजा हमें अमेरिका का मुंह ताकना पड़ा। इस संदर्भ में देखें, तो 48,000 करोड़ रुपये की स्वदेशी विमान की खरीद का यह फैसला काफी महत्व रखता है। मगर कुछ सवाल हैं, जिन पर हमें सोचने की जरूरत है, खासकर रक्षा चुनौतियों के मोर्चे पर। तेजस एक अच्छा लड़ाकू विमान है, पर यह दुनिया का सबसे बेहतरीन जहाज नहीं है। यह अच्छी बात है कि इसमें हम लगातार सुधार कर सकते हैं। मगर इसको उन्नत बनाने के लिए पूंजी की दरकार होगी और वक्त भी खासा लगेगा। ये दोनों काफी मायने रखते हैं। जैसे, सुखोई विमान हम अपने देश में भी बनाते हैं, पर इसे रूस से खरीदना आसान और सस्ता सौदा है। असल में, कुछ विमानों का उत्पादन आसान है, लेकिन बड़ी संख्या में उनका निर्माण मुश्किल भरा काम है। इसमें ऐसी दक्षता की दरकार होती है कि कम समय में अधिक उत्पादन संभव हो सके। उम्मीद है, पूर्व की खरीद के साथ 120 तेजस विमानों की खरीदारी से अपने यहां यह ढांचा तैयार हो सकेगा, जिसका फायदा उद्योग जगत को मिलेगा। और, अगर यह 'प्रोडक्शन लाइन' नहीं बन सकी, तो फिर तेजस हमारे लिए महंगा साबित हो सकता है। हालांकि, मारुति का अनुभव हमारी उम्मीद बढ़ाता है। उल्लेखनीय है कि मारुति की गाड़ियां पहले अपने यहां 'असेंबल' होती थीं। उसके कल-पुर्जे दूसरे देशों से आयात होते थे। फिर, धीरे-धीरे स्थानीय कंपनियां इस काम में आगे आईं, और आज ऑटो दुनिया में पाट्र्स निर्यात करने वाले देशों में भारत पहले स्थान पर है।

दूसरी चिंता की बात इसकी आपूर्ति में लगने वाला वक्त है। मार्च, 2020 में ही रक्षा खरीद परिषद ने तेजस विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी, लेकिन इस पर कैबिनेट को सहमति जताने में करीब 10 महीनों का वक्त लग गया। कहा गया है कि जब इस करार पर अंतिम मुहर लगेगी, तब उसके तीन साल के बाद पहला जहाज मिलेगा। इसका अर्थ है कि आज समझौता यदि हो भी जाए, तो 2024 से पहले हमें इस खरीद का पहला तेजस नहीं मिल सकता। फिर, पूरी आपूर्ति पांच साल में होगी, जिसका अर्थ है कि हर साल कमोबेश 16 विमान बेड़े में शामिल होंगे। ऐसे में, क्या यह बेहतर नहीं होगा कि हम ऐसी व्यवस्था करें कि हमारा उत्पादन समय के साथ बढ़ता चला जाए? खासतौर से चीन व पाकिस्तान से मिल रही चुनौतियों के मद्देनजर ऐसा किया जाना जरूरी है। सवाल यह भी है कि इसमें इस्तेमाल हो रही तकनीक चार-पांच साल के बाद कितनी प्रासंगिक रह पाएगी? खासतौर से सूचना-प्रौद्योगिकी में जिस तेजी से बदलाव होते हैं, उसको देखते हुए यह चिंता स्वाभाविक है। ड्रोन का ही उदाहरण लें। पांच साल के बाद किस उन्नत श्रेणी के ड्रोन रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल होंगे, इसकी कल्पना आज नहीं कर सकते। जाहिर है, शोध व अनुसंधान के कामों को इतना तवज्जो देना होगा कि वे भविष्य की तकनीकों पर आज ही शोध-कार्य करें। स्पष्ट है, 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में स्वदेशी विमानों की खरीद एक प्रशंसनीय कदम जरूर है, लेकिन रक्षा चुनौतियों को देखते हुए हमें कई दूसरे प्रयास भी करने होंगे। हमें दुश्मन देशों के बराबर ताकत जुटाने पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि यह कोशिश करनी चाहिए कि उनकी ताकत को हम किस तरह से बेअसर कर सकते हैं। यानी, काट की रणनीति हमें अपनानी चाहिए, न कि हथियारों की दौड़ में मुब्तिला रहना चाहिए। हमें यह तय करना ही होगा कि हमारी लड़ाई किससे है और किस नई तकनीक से हम जीत हासिल कर सकते हैं? यह सवाल तब और प्रासंगिक हो जाता है, जब सामने चीन जैसा राष्ट्र हो, क्योंकि सैन्य साजो-सामान के मामले में फिलहाल हम उससे बीस साबित नहीं हो सकते।

प्रवीण कुमार सिंह

पहले सीएए के विरोध में प्रदर्शन और अब किसान संगठनों का आंदोलन

पहले अमेरिका की अंतरिक्ष संस्था नासा तथा बाद में सिलिकॉन वैली इसके वलंत उदाहरण हैं। भारत अपने प्रयत्नों से ही विश्व में अपना अपेक्षित स्थान और गौरव प्राप्त करने की राह पर विश्वासपूर्वक बढ़ रहा है। आज भारत के युवा सजग और सतर्क हैं। वे जानते हैं कि उनके समक्ष सारा विश्व-पटल खुला है। लोग भारत से कुशल और प्रशिक्षित युवाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके लिए आवश्यक है कि उन्हें उचतम स्तर की शिक्षा मिले। ज्ञान, विज्ञान, नवाचार के निर्बाध अवसर मिलें।

पिछले साल देश ने दो ऐसी स्थितियों का सामना किया जो सिर्फ प्रायोजित पारस्परिक अविश्वास, पूर्वाग्रहों तथा संवादहीनता के कारण ही पनपीं और लाखों लोगों को कठिनाइयों में डाल गईं। इनमें पहला था सीएए के विरोध में दिया गया लंबा धरना और उसके बाद हुए दंगे तथा दूसरा साल के अंतिम महीनों में प्रारंभ हुआ कुछ किसान संगठनों का आंदोलन। ये दोनों जिस स्वरूप और परिस्थिति में उभरे और आगे बढ़े, वह किसी भी सशक्त संवाद परंपरा में स्वतः ही अनावश्यक हो जाते। वास्तव में संवाद ही वह सर्व-स्वीकार्य सशक्त माध्यम है जो किसी भी वाद को विवाद में परिवर्तित होने से बचाता है। एक सभ्य समाज में अपेक्षा तो यही की जाती है कि किसी भी प्रकरण में सभी संबंधित पक्ष पूरी निष्ठा से संवाद का सहारा लेंगे। यह भी एक तथ्य है कि हर समाज में कुछ विघटनकारी तत्व सदा सक्रिय रहते हैं जो स्वार्थ और अज्ञान के वशीभूत होकर संवाद के हर प्रयास को विफल करने में अपनी पूरी शक्ति लगा देते हैं। इस सबसे राष्ट्र का कितना अहित होता है, इसकी चिंता वे नहीं करते हैं। व्यक्तियों के जीवन और राष्ट्रीय संपत्ति की हानि से भी वे प्रभावित नहीं होते हैं।

भारत की राजनीतिक, सांस्कृतिक, पंथिक और भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां आंतरिक अव्यवस्था को किसी न किसी आधार पर तूल देने के लिए बाह्य तत्व ताक में रहते हैं। इसके उदाहरण लगातार मिलते रहे हैं। 1962 के भारत-चीन युद्ध को अभी लोग भूले नहीं हैं। देश में एक वर्ग उस समय भी भारत को आक्रांता मानता था, आज भी मानता है, आजादी के नारे लगवाता है, भारत के टुकड़े-टुकड़े करने की आकांक्षा रखनेवालों के साथ खड़ा होता है, जिन्ना के महिमामंडन का समर्थन करता है, जेएनयू में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति लगाने का विरोध करता है और किसानों तथा सरकार

के समझौते में पलीता लागाता है। ऐसे लोगों को उस बौद्धिक वर्ग का भी मुखर समर्थन मिलता है, जो पश्चिम में भारत की आलोचना के आधार पर अपनी पहचान बनाता है, मानवाधिकारों का संरक्षक बनता है और समय-समय पर वक्तव्य देकर या अवार्ड-वापसी कर अपनी ओर ध्यान आकर्षित करता है। यह वर्ग केवल अपनों तक सीमित रहता है, 'जो हमारे जैसा सोचें, वे हमारे' से आगे बढ़ नहीं पाता है। इसी संकुचित दृष्टि से गंभीर राष्ट्रीय समस्याएं जन्म लेती हैं। भारत में ज्ञान की सामान्य चर्चा में भी प्रश्न, प्रतिप्रश्न और परिप्रश्न का संदर्भ आता है। इस समय ऐसा प्रतीत होता है कि हमारे कुछ सामाजिक और राजनीतिक पक्ष इस विधा को पूरी तरह भूल गए हैं। संवाद वही प्रारंभ कर सकता है, जिसकी नीति स्पष्ट, नीयत निर्मल और लक्ष्य कल्याणकारी हो और वह पूर्वाग्रहों से पूरी तरह मुक्त हो। ऐसा व्यक्ति शंकालु, पूर्वाग्रही तथा हठी व्यक्ति और वर्ग या समाज को भी प्रभावित कर सकता है। इसका जीवंत उदाहरण स्वामी विवेकानंद के जीवन और कृतित्व में निहित है। घनघोर कठिनाइयों को उत्साहपूर्वक सहन करते हुए स्वामी विवेकानंद ने शिकागो के सर्व धर्म सम्मलेन में जो कालजयी उद्बोधन प्रस्तुत किया था, उसकी गूंज आज भी उस हर संवेदनशील व्यक्ति को सुनाई पड़ती है जो प्रत्येक मनुष्य को अपने समकक्ष मानकर उसका सम्मान करता है। हर विविधता को स्वीकार करते हुए मानवमात्र की पारस्परिकता में विश्वास रखता है।

स्वामी विवेकानंद जी शिकागो सम्मलेन में सबसे अंत में बोले थे। उनके मुंह से जैसे ही पहले चार शब्द निकले, 'अमेरिका निवासी भाइयों और बहनों', सारे उपस्थित लोग जैसे एकाएक सम्मोहित हो गए। सभी खड़े होकर करतल-ध्वनि करने लगे। उस अपरिचित स्वामी ने उनका हृदय जीत लिया था। उनकी वाणी में जो पारदर्शिता और निर्मलता समाहित थी, वह उन सबके हृदय में उतर गई। इसमें वह भी शामिल थे जो वहां केवल यह स्थापित करने गए थे कि उनका धर्म ही सर्वश्रेष्ठ है और बाकी सभी को उसी में लाकर उनका उद्धार करना है। स्वामी जी के भाषणों के बाद 'द न्यूयॉर्क हेराल्ड' ने लिखा कि जिस देश में इतना समृद्ध ज्ञान पहले से ही उपस्थित है, वहां धर्म-प्रचारक भेजना मूर्खता है। आज देश की युवा पीढ़ी ऐसे ही आइकान ढूंढ रही है जो उन्हें भारत और भारतीयता से परिचित करा सके।

भारत सजग और सतर्क युवा जानते हैं कि उनके समक्ष सारा विश्व-पटल खुला है

'सर्व भूत हिते रताः', 'लोकाः समस्ताः सुखिनो भवंतु', और एकम् सत् विप्राः बहुधा वदंति' में निहित दर्शन को व्यावहारिक जीवन में उतारकर ही भारत महान बना था। इन्हें छोड़कर केवल पश्चिम की नकलकर आगे नहीं बढ़ा जा सकेगा। इस दैनंदिन व्यावहारिकता को पुनः प्राप्त करने के लिए देश को ऐसे युवा चाहिए जो किसी भी प्रकार की संकीर्णताओं से हटकर सोच सकें, प्रगति और विकास के मार्ग पर डाले जाने वाले अवरोधों के प्रति सचेत रहें, सामाजिक सद्भाव और पंथिक समरसता के आधार को और अधिक सशक्त करने में कोई ढील न आने दें। भारत के युवाओं ने पिछले सात दशकों में वैश्विक स्तर पर देश का सम्मान बढ़ाया है।

पहले अमेरिका की अंतरिक्ष संस्था नासा तथा बाद में सिलिकॉन वैली इसके वलंत उदाहरण हैं। भारत अपने प्रयत्नों से ही विश्व में अपना अपेक्षित स्थान और गौरव प्राप्त करने की राह पर विश्वासपूर्वक बढ़ रहा है। आज भारत के युवा सजग और सतर्क हैं। वे जानते हैं कि उनके समक्ष सारा विश्व-पटल खुला है। लोग भारत से कुशल और प्रशिक्षित युवाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसके लिए आवश्यक है कि उन्हें उचतम स्तर की शिक्षा मिले। ज्ञान, विज्ञान, नवाचार के निर्बाध अवसर मिलें। जब भारत के मूल स्वरूप और प्राचीन ज्ञान-विज्ञान, दर्शन-आध्यात्म की समझ के साथ पश्चिम में विकसित विज्ञान, तकनीकी का समायोजन होगा, तब विश्व कल्याण और शांति का पथ स्वतः ही खुल जाएगा। फिर विघटनकारी तत्वों से छुटकारा भी मिल जाएगा।

लोकतंत्र पर धब्बा

72वें गणतंत्र दिवस पर राजधानी दिल्ली में किसान आंदोलन ने जो रूप दिखाया, वह किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिए भयानक और शर्मनाक ही कहा जाएगा। अभी तक दिल्ली के बॉर्डरों पर शांतिपूर्ण ढंग से बैठकर सरकार से बातचीत करते किसानों के बीच कुछ असामाजिक और देशविरोधी तत्वों के घुस आने की बात काफी पहले से कही जा रही थी, लेकिन ऐसे तत्व पूरे आंदोलन को ही इस तरह हाइजैक कर लेंगे, इसका किसी को अंदाजा नहीं था। इस भरोसे की एक वजह यह भी थी कि किसान आंदोलन का नेतृत्व लगातार सार्वजनिक रूप से यह कहता आ रहा था कि सब कुछ उसके कंट्रोल में है और कोई अप्रिय घटना किसी भी स्थिति में नहीं घटित होने दी जाएगी।

यही वजह रही कि दिल्ली पुलिस ने अपनी आशंकाओं के बावजूद जरूरी शर्तें मनवाने के बाद और तमाम एहतियात बरतते हुए कुछ खास रूटों पर किसानों को ट्रैक्टर रैली निकालने की इजाजत दी। मगर हालात गणतंत्र दिवस की सुबह से ही बेकाबू होने के संकेत मिलने लगे, जब किसान नेताओं द्वारा दिल्ली पुलिस से किए गए वायदे के मुताबिक 12 बजे रैली शुरू करने के बजाय किसानों ने आठ बजे ही पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ कर अपने ट्रैक्टर सेंट्रल दिल्ली की तरफ दौड़ा दिए। इसके बाद पुलिस द्वारा उन्हें रोकने की सारी कोशिशें नाकाम होती गईं और नियम-कानून, मान-मर्यादा की धज्जियां उड़ाते हुए किसानों की अराजक भीड़ राजधानी में उत्पात मचाती रही। और तो और, कुछ उपद्रवियों ने लाल किले में घुसकर वहां अपने संगठन का झंडा फहरा दिया।

देश की राजधानी में गणतंत्र दिवस के मौके पर ऐसे दृश्य देखना हर देशवासी के लिए अपमानजनक और पीड़ादायक है। संयुक्त किसान मोर्चे ने बाद में बयान जारी करके पूरे मामले पर लीपापोती करने की कोशिश की। उसका दावा है कि कार्यक्रम लगभग शांतिपूर्ण रहा। सिर्फ पांच फीसदी लोग ही लालकिले और आईटीओ की तरफ गए और उनमें से कुछेक ने गड़बड़ी फैलाने वाले काम किए। इस बयान का भला क्या मतलब है? एक राष्ट्रीय दिवस पर राजधानी में मचे उपद्रव के बारे में राय क्या उपद्रवियों का प्रतिशत नाप कर बनाई जाएगी? हकीकत यही है कि किसान नेतृत्व पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है। सच कहें तो संयुक्त किसान मोर्चा खुद में कोई मोर्चा भी नहीं है।

ये महज छोटे-छोटे ग्रुप हैं और कथित किसान नेताओं की भूमिका किसी का मोहरा बन जाने से ज्यादा नहीं है। इन्हें कुछ भी नहीं पता। कोई अंदाजा तक इन्हें नहीं था कि आगे क्या होने वाला है। यह पूरा प्रकरण इसलिए भी अफसोसनाक है क्योंकि इसने देश में एक विश्वसनीय और प्रामाणिक किसान आंदोलन की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। अब तो सरकार से यह भी नहीं कहा जा सकता कि किसान आंदोलन के नेताओं से बातचीत की प्रक्रिया को आगे बढ़ाकर मामले का कोई सम्मानजनक हल निकाला जाए। बातचीत होगी भी तो किससे, जब यह साफ हो चुका है कि इन नेताओं की कोई कुछ सुनने वाला ही नहीं! सरकार आखिर भीड़ से तो बात नहीं कर सकती।

मजहबी स्वतंत्रता की आड़ में भेदभाव, हलाल और झटका सर्टिफिकेट पर हंगामा है बरपा

धर्म अथवा पंथ जब तक मानव के व्यक्तिगत जीवन का हिस्सा बने रहते हैं, वह उसकी आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम बन कर उसमें एक सकारात्मक शक्ति का संचार करते हैं। लेकिन जब वह मानव के व्यक्तिगत जीवन के दायरे से बाहर निकल समाज के सामूहिक आचरण का माध्यम बन जाता है तो वह समाज में एक सामूहिक शक्ति का संचार करता है। लेकिन यह कहना कठिन होता है कि समाज की यह सामूहिक शक्ति उस समाज को सकारात्मकता की ओर ले जाएगी या फिर नकारात्मकता की ओर।

दरअसल एसडीएमसी यानी दक्षिण दिल्ली म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के अंतर्गत आने वाले मीट की दुकानों या होटलों आदि को मीट के हलाल या झटका होने का बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। एसडीएमसी की सिविक बॉडी की स्टैंडिंग कमेटी ने एक प्रस्ताव पास किया है कि हिंदू और सिख के लिए हलाल मीट खाना वर्जित है। इससे पहले क्रिसमस के दौरान केरल के ईसाइयों ने भी हलाल मांस के विरोध में प्रदर्शन किया था।

हलाल दरअसल एक अरबी शब्द है, जिसका उपयोग कुरान में भोजन के रूप में स्वीकार करने योग्य वस्तुओं के लिए किया गया है। इस्लाम में आहार संबंधी कुछ नियम बताए गए हैं, जिन्हें हलाल कहा जाता है। लेकिन इसका संबंध मुख्य रूप से मांसाहार से है। जिस पशु को भोजन के रूप में ग्रहण किया जाता है, उसके वध की प्रक्रिया विशेष रूप से बताई गई है।

इसी के चलते मुस्लिम देशों में सरकारें ही हलाल का सर्टिफिकेट देती हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जो मीट वहां परोसा जा रहा है, वह उनकी मजहबी मान्यताओं के अनुरूप है। हमारे देश में भी भारतीय रेल और विमानन सेवाओं से लेकर फाइव स्टार होटल तक हलाल सर्टिफिकेट हासिल करते हैं जो यह सुनिश्चित करता है कि परोसा जा रहा मांस हलाल ही है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे देश में यह सर्टिफिकेट सरकार द्वारा नहीं दिया जाता।

भारत में विभिन्न वस्तुओं के लिए अलग अलग सर्टिफिकेट का प्रावधान है, जो उनकी गुणवत्ता तय करते हैं। जैसे औद्योगिक वस्तुओं के लिए आइएसआइ मार्क, कृषि उत्पादों के लिए एगमार्क, प्रसंस्कृत उत्पादों जैसे जैम, अचार आदि के लिए एफपीओ, सोने के लिए हॉलमार्क आदि। लेकिन हलाल का सर्टिफिकेट भारत सरकार नहीं देती है। भारत में यह सर्टिफिकेट कुछ प्राइवेट संस्थान जैसे हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हलाल सर्टिफिकेशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जमायत उलमा ए हिंदू हलाल ट्रस्ट आदि देते हैं।

अभी तक देश से निर्यात होने वाले डिब्बाबंद मांस के लिए वाणिय एवं उद्योग मंत्रलय के तहत आने वाले खाद्य उत्पादन निर्यात विकास प्राधिकरण को हलाल प्रमाणपत्र देना पड़ता था, क्योंकि दुनिया के अधिकांश मुस्लिम देश हलाल मांस ही आयात करते हैं। अब प्रश्न उठता है कि उपरोक्त तथ्यों के क्या मायने हैं।

अमेरिका व ऑस्ट्रेलिया समेत यूरोप के अनेक देश समझ चुके हैं कि मजहबी मान्यताओं के नाम पर हलाल सर्टिफिकेट के जरिये एक आर्थिक युद्ध की आधारशिला रखी जा रही है। यही कारण है कि ऑस्ट्रेलिया की दो बड़ी मल्टी नेशनल कंपनियों ने अपने उत्पादों के लिए हलाल सर्टिफिकेट लेने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि उनके उत्पाद शुद्ध शाकाहारी हैं, इसलिए उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश में राष्ट्रवाद की बात करने वाले बाबा रामदेव तक अपने शाकाहारी औषधीय उत्पादों का हलाल सर्टिफिकेशन करवाने के लिए संबंधित संगठनों को भारी फीस देते हैं।

हिंदी की मजबूती का मूलमंत्र उदारता

इसके लिए आवश्यक होगा कि भारतीय भाषाओं के शब्दकोश तैयार किए जाएं। आज जिस तरह से इंटरनेट मीडिया का विस्तार हो रहा है, जिस तरह से देशभर में इंटरनेट का घनत्व बढ़ता जा रहा है, उसको ध्यान में रखते हुए भारतीय भाषाओं के शब्दकोशों को इंटरनेट पर उपलब्ध करवाने की कोशिश करनी चाहिए। देश के अलग अलग हिस्सों में केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं, वहां अगर इस काम की शुरुआत करवाई जाए तो ये शब्दकोश आसानी से कम समय में बन सकते हैं। इसकी शुरुआत संविधान में मान्यता प्राप्त भाषाओं से की जा सकती है।

हिंदी दिवस है। इस अवसर पर एक बेहद दिलचस्प किस्सा याद आ रहा है। बात ग्यारह अप्रैल 1941 की है। जबलपुर में सेंट्रल प्रोविंस एंड बेरार स्टूडेंट्स फेडरेशन का एक सांस्कृतिक अधिवेशन होना तय हुआ था। फेडरेशन के सचिव चाहते थे कि इस अधिवेशन का शुभारंभ अभिनेता और निर्देशक किशोर साहू करें।

किशोर साहू को आमंत्रित करने के लिए वो बांबे (अब मुंबई) पहुंचे और उनसे मिलकर अपना प्रस्ताव उनके सामने रखा। किशोर साहू ने उनका आमंत्रण स्वीकार कर लिया और नियत दिन वो जबलपुर पहुंच गए। उस वक्त तक किशोर साहू की तीन फिल्में लोकप्रिय हो चुकी थीं और एक निर्माता के तौर पर भी उनकी पहचान बन चुकी थी। रेलवे स्टेशन पर अभिनेता किशोर साहू के स्वागत में काफी लोग जुटे थे। स्टेशन पर 'कॉमरेड किशोर साहू जिंदाबाद' का नारा भी लगाया गया था।

किशोर साहू ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि 'राजनीतिक क्षेत्र में मैने कोई तीर नहीं मारा था, कोई विशेष कॉमरेडी नहीं दिखाई थी।' बावजूद इसके उनके स्वागत में कॉमरेड किशोर साहू जिंदाबाद का नारा लगा था। इस प्रसंग पर विचार करने से वामपंथ का वो पहलू सामने आता है जिसमें वो लोगों को छद्म नारों आदि से भरमाते रहे हैं। खैर यह अवांतर प्रसंग है जिसपर फिर कभी चर्चा।

अभी हम हिंदी की बात कर रहे हैं। शाम को स्टूडेंट फेडरेशन के अधिवेशन का भव्य शुभारंभ हुआ था जिसकी अध्यक्षता विश्वंभरनाथ जी ने की

थी। किशोर साहू ने अपना उद्घाटन भाषण अंग्रेजी में दिया था। किशोर साहू के बाद के वक्ता जब बोलने खड़े हुए तो उन्होंने अंग्रेजी में भाषण देने के लिए किशोर साहू की जमकर आलोचना की। किशोर साहू तबतक उनको जानते नहीं थे। अपनी आत्मकथा में किशोर साहू ने इस प्रसंग का विस्तार से उल्लेख किया है। किशोर ने मंच पर साथ बैठे एक व्यक्ति से उनका परिचय पूछा। साहू को बताया गया कि 'वो यशपाल हैं और खुद को कॉमरेड बताते हैं।' तब तक किशोर साहू हिंदी के लेखक यशपाल से या उनके नाम से परिचित नहीं थे। तो उन्होंने उस व्यक्ति से पूछा कि कौन यशपाल ? जवाब मिला 'अपने को कम्युनिस्ट कहता है अब फॉर्वर्ड ब्लाकिस्ट बना हुआ है और आपके जयघोष से जलकर आपकी खिल्ली उड़ाना चाहता है।' किशोर साहू व्यक्तिगत आलोचना सुनकर गुस्से से लाल-पीला हो रहे थे और मंच से ही यशपाल पर जवाबी हमला करने लगे थे।

कुछ अप्रिय घटने की आशंका को लेकर अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे विश्वंभरनाथ ने कुछ नहीं बोलने का अनुरोध किया था। विश्वंभरनाथ ने यशपाल की उनके आचरण के लिए सार्वजनिक रूप से निंदा की और कहा, 'अगर किशोर साहू ने अंग्रेजी में भाषण दे दिया तो कोई पाप नहीं किया। उनका दिल और पोशाक तो भारतीय है। मगर, यशपाल जी, अगर आपको अंग्रेजी से इतनी नफरत है तो आपने यह अंग्रेजी पोशाक क्यों पहन रखी है?' सभास्थल लोगों के ठहाके से गूंज उठा था। आपको बताते चलें कि कॉमरेड यशपाल ने तब कोट-पैंट पहना हुआ था और गले में लाल टाई बांधी हुई थी। किसी तरह अधिवेशन का उद्घाटन सत्र समाप्त हुआ लेकिन यशपाल अपने उपेक्षा से इतने आहत हो गए कि तय समय से पहले ही अधिवेशन छोड़कर जबलपुर से निकल गए। हिंदी दिवस पर इस किस्से का स्मरण इस वजह से हो रहा है कि आज भी कई लोग हिंदी को लेकर इतने संवेदनशील हो जाते हैं कि वो उसमें अंग्रेजी के शब्दों के उपयोग को लेकर हाय तौबा मचाने लगते हैं। गैर हिंदी भाषियों से भी अपेक्षा करते हैं कि वो हिंदी में ही बात करें और अगर लिखें तो शुद्ध लिखें। यह आग्रह उचित है लेकिन आग्रह जब जिद में और सामने वाले को अपमानित करने में बदल जाता है तो समस्या गंभीर हो जाती है। किशोर साहू ने साफ तौर पर स्वीकार किया था कि कॉलेज के डिबेट्स में अंग्रेजी में बोलते थे और किसी विषय पर लंबा बोलने के लिए वो अंग्रेजी में ही यादा सहज थे।

इसलिए उन्होंने स्टूडेंट्स फेडरेशन के सांस्कृतिक अधिवेशन में अंग्रेजी में भाषण दिया था। यशपाल को ये बर्दाश्त नहीं हुआ और उन्होंने किशोर साहू को लेकर सार्वजनिक रूप से व्यक्तिगत कटाक्ष कर दिया। वो यह भूल गए कि फिल्मों की दुनिया में काम करनेवाले किशोर साहू न सिर्फ एक अछे अभिनेता के तौर पर स्थापित थे बल्कि उनकी हिंदी में लिखी कहानियां उस दौर की प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं में भी प्रकाशित हो चुकी थीं। बाद में तो किशोर साहू ने 'परदे के पीछे' के नाम से एक उपन्यास भी हिंदी में लिखा था।

हिंदी को वैश्विक स्तर पर ना केवल स्वीकार्यता मिल रही है बल्कि व्याप्ति भी बढ़ रही है, लेकिन अगर हिंदी अपना मूल स्वभाव, उदारता, त्यागती है तो स्वीकार्यता और व्याप्ति दोनों में परेशानी हो सकती है। हिंदी में तो शुरू से ही दूसरी भाषा के शब्द लेने की उदारता रही है। हिंदी में आज न सिर्फ अंग्रेजी बल्कि फारसी और पुर्तगाली तक के शब्द बहुत सहजता के साथ स्वीकृत और प्रचलित हैं। इन भाषाओं के शब्दों को हिंदी ने इतनी उदारता के साथ अंगीकार किया है कि लगता ही नहीं है कि वो दूसरी भाषा के शब्द हैं।

यह भी किया जा सकता है कि विदेशी भाषा के शब्दों को स्वीकार करने के पहले अन्य भारतीय भाषाओं के शब्दों को देखा, परखा और आजमाया जाए। इसके लिए आवश्यक होगा कि भारतीय भाषाओं के शब्दकोश तैयार किए जाएं। आज जिस तरह से इंटरनेट मीडिया का विस्तार हो रहा है, जिस तरह से देशभर में इंटरनेट का घनत्व बढ़ता जा रहा है, उसको ध्यान में रखते हुए भारतीय भाषाओं के शब्दकोशों को इंटरनेट पर उपलब्ध करवाने की कोशिश करनी चाहिए। देश के अलग अलग हिस्सों में केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं, वहां अगर इस काम की शुरुआत करवाई जाए तो ये शब्दकोश आसानी से कम समय में बन सकते हैं। इसकी शुरुआत संविधान में मान्यता प्राप्त भाषाओं से की जा सकती है। यह काम अगर अभी शुरू कर दिया जाए तो इससे नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में भी सुविधा होगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त समाचार

मतदाता दिवस का आयोजन

सिहोरा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन पंडित विष्णु दत्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा में किया गया। कार्यक्रम मे अनुविभागीय अधिकारी सिहोरा सीपी गोहल द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के संदेश का वाचन कर मतदाताओं की उपस्थिति में शपथ दिलाई गई। कार्यकम में तहसीलदार राकेश चौरसिया नायब तहसीलदार राहुल मेश्राम प्राचार्य अशोक उपाध्याय सुशील वर्मा शिक्षक गण एवं बीएलओ की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में मतदाताओं को परिचय पत्र का वितरण किया गया उसके पश्चात लोक सेवा प्रबंधन में नागरिकों को लोक सेवा के द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी का लाइव प्रसारण किया गया।

बंधी स्टेशन में मालगाड़ी की बोगी में आग

सिहोरा। जबलपुर से कटनी जा रही मालगाड़ी से धुआं निकलता देख लोग दहशत में आ गए आनन-फानन में मालगाड़ी को स्लीमनाबाद बंधी स्टेशन में रोका गया एवं कटनी तथा सिहोरा से फायर वाहन बुलाकर आग बुझाने के बाद मालगाड़ी को रवाना किया गया । बताया जाता है की मालगाड़ी में कोयला लोड था और जब फायर ब्रिगेड द्वारा आग बुझाने का काम चल रहा था उस समय अनेक ट्रेनों को स्टेशन की दोनों तरफ कुछ देर के लिए रोका गया था अग्निशामक दल के प्रभारी प्रदीप पांडे से प्राप्त जानकारी के अनुसार मालगाड़ी के अंतिम बोगी में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी सूचना पर फायर ब्रिगेड दल के कोड़ी लाल कुशवाहा , राहुल ठाकुर ,बाला बैगा ने स्लीमनाबाद बंधी स्टेशन जाकर आग पर काबू पाया ।

फोटो पत्रकार जितेन्द्र वैष्णव जित्तू को पितृशोक

जबलपुर। न्यू आदर्श नगर अधारताल निवासी फोटो पत्रकार जितेन्द्र वैष्णव जित्तू व सिंगर रविन्द्र वैष्णव के पिताश्री जगदीश प्रसाद वैष्णव का 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। जिनका अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

आज से खभरा में विष्णु महायज्ञ का शुभारंभ

सिहोरा। खभरा में श्रीविष्णु महायज्ञोत्सव का आयोजन 28 जनवरी से 3 फरवरी तक श्रीश्री 1008 श्री वनवारी दास जी महाराज भरभरा धाम के सनिध्य में आयोजित किया जा रहा है। जिसमे भागवत पुराण, श्री रामचरित मानस व संकीर्तन के साथ कथा का वाचन श्री मानस कोकिल कृष्ण प्रताप तिवारी जानकी कुण्ड चित्रकुट के द्वारा किया जायेगा। वहीं मुख्य अतिथि महंत कैलासानंद जी शैलेश्वर धाम शैलवारा और आत्माराम दुबे,रविशंकर दुबे रहेगें ग्राम वासियों ने सभी धर्मप्रेमियों से कार्यक्रम मे पहुंचने की अपील की है।

श्रीमद् भागवत कथा में हुआ गोवर्धन पर्वत का वर्णन

उमरिया कुड़ारी। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन बाबा नीम करौली आश्रम मां नर्मदा तट दद्दाघाट तिलवारा में आयोजित हो रहा है। पंचम दिवस कथा में गोवर्धन पर्वत का वर्णन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत अपने हाथों उठाकर धर्म का प्रचार सत्य पर चलने के लिए सबको प्रेरित किया गया। वहीं भगवान की भक्ति से जो सुख मिलता है वह कहीं नहीं मिलता। इस अवसर पर कथा बाल व्यास पंडित शुभम कृष्ण, आचार्य लक्ष्न शुक्ला, पंडित रज्जन शुक्ला, बंटी उपाध्याय, पंडित निखिल पांडे, आदर्श द्विवेदी, संदीप शुक्ला, निलेश सेन आदि श्रद्धालु भक्तजनों की उपस्थिति रही।

शिक्षा विभाग से जुड़े गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित

जबलपुर। अपर कलेक्टर संदीप जीआर की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में आदिवासी विकास विभाग के साथ शिक्षा विभाग से जुड़े गतिविधियों की समीक्षा की गई। जिसमें परीक्षा परिणामों के आधार पर अध्यापन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के साथ रिक्त पदों पर आवश्यकतानुसार अतिथि शिक्षक की पूर्ति, विषयों की वर्कशीट की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने और नवाचार पर चर्चा की गई। अपर कलेक्टर से संदीप जीआर ने मुख्य रूप से कहा कि नवीन भवनों का हस्तांतरण और नवीन भवनों में समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित हो साथ ही संस्थाओं के लिए समस्त उपयोगी सामग्री भी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण गुणवत्तापूर्ण हो इस बात पर विशेष ध्यान दें और ज्ञानोदय में लगे ऑक्सीजन पेनल व पाइप लाइन को बच्चे बर्बाद ना करें।

पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान 31 जनवरी से 2 फरवरी तक

जबलपुर। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित लंबित समय.सीमा की बैठक के दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ दहिया ने बताया कि जिले में पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान 31 जनवरी से 2 फरवरी तक चलेगा। उन्होंने कहा कि जिले में 3 लाख 68 हजार 684 बच्चे है जो 5 साल से कम उम्र के हैं जिन्हें पल्स पोलियो का टीका 2 हजार 117 केंद्रों पर लगाया जाएगा। पल्स पोलियो टीकाकरण के दौरान कोविड.19 के गाइड लाइन का पालन किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने मेन पावर के साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों से टीकाकरण अभियान में सहयोग प्रदान करने की अपेक्षाएं भी किये। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में पूर्ण सहयोग दें और कोरोना गाइड लाइन का पालन करें। इस दौरान अपर कलेक्टर संदीप जी आर, हर्ष दीक्षित, राजेश बाथम, बी पी द्विवेदी, सीएमएचओ डॉ रत्नेश कुरारिया सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी सीएमओ के निलंबन पर रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट से सतना जिले की बिरसिंहपुर नगर पंचायत के प्रभारी सीएमओ को राहत मिली है। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने उनके किए गए निलंबन पर अपने अंतरिम आदेश से रोक लगा दी है। एकलपीठ ने मामले में अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।यह मामला प्रभारी सीएमओं अंबिका प्रसाद पांडे की ओर से दायर किया गया है। जिसमें 21 जनवरी 2021 को सतना कलेक्टर द्वारा किये गये निलंबन आदेश को चुनौती दी गई थी। आवेदक की ओर से कहा गया कि प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर योजना के निर्धारित लक्ष्य में प्रगति नहीं लाने का हवाला देते हुए उन्हें 7 जनवरी 2021 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जिसका जवाब याचिकाकर्ता ने 11 जनवरी 2021 को जवाब दिया एवं स्पष्ट रूप से कहा कि उसके द्वारा पीएम सुनिधि योजना के अंतर्गत 323 प्रकरण में से 185 प्रकरण उसे पोर्टल पर प्राप्त हुए, जिसमें उसके द्वारा लगभग सभी प्रकार का निपटारा कर दिया गया एवं बाकी बचे प्रकरणों को निपटारा करने में बैंक के द्वारा देरी की गई है। जिसमें उसका कोई दोष नही, किंतु कलेक्टर सतना द्वारा याचिकाकर्ता के जवाब से संतुष्ट ना होते हुए उन्हें 18 जनवरी 2021 को निलंबित कर दिया गया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनोज कुशवाहा ने पक्ष रखते हुए तर्क दिया कि याचिकाकर्ता का मूल पद राजस्व उप निरीक्षक है और वह नगर पालिका परिषद का कर्मचारी है। अतः कलेक्टर सतना को निलंबित करने का कोई अधिकार नहीं है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने निलंबन पर अंतरिम आदेश से रोक लगाते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

अरूणाभ घोष स्टेडियम में हुआ गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन

सिहोरा में धूमधाम से मनाया गया 72 वां गणतंत्र दिवस

सिहोरा ,(एजेंसी)।

72वें गणतंत्र दिवस नगर एवं उपनगर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बड़ी उमंग और उत्साह से कोरोना गाईड लाईन का पालन करते हुए मनाया गया। सभी शासकीय, अशासकीय कार्यालयों, शिक्षण संस्थाओं, प्रतिष्ठानों में ध्वजा रोहण किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन अरूणाभ घोष स्टेडियम में सामूहिक रूप से नगर पालिका एवं जनपद पंचायत द्वारा विधायक नंदनी मरावी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

स्टेडियम में मुख्यअतिथि ने मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया। आयोजन में इस बार कोरोना के चलते स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया और न ही बच्चों को बुलाया गया ।

कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भेंट किए

मुख्य समारोह में कोरोना काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय कर्मचारियों को अतिथीयों द्वारा प्रसस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी, विभागों के अधिकारी कर्मचारी बडी संख्या में उपस्थित थे।

जगह-जगह हुआ ध्वजारोहण

गणतंत्र दिवस पर जगह जगह ध्वजा रोहण किया गया। जिसमें, थाना प्रागंण में टीआई गिरीश धुर्वे, वन विभाग कार्यालय रेंजर अरविंद अहिरवार, एस डी ओ कार्यालय वन में एसडीओ मुकेश पटैल, जनपद पंचायत में अध्यक्ष सरिता सिंह ने, नगर पालिका, मृगनयनी भवन में सीएमओ जयश्री चौहान, शास.कन्या उच्च.माध्य.शाला में ध्वजारोहण प्राचार्य कमलेश साहू ने एवं चंदा देवी विद्यालय में प्रचार्य महेन्द्र शर्मा ,शास. उच्चतर माध्य.विद्यालय पोंडा में प्रभारी प्रचार्य नरेंद्र खम्परिया,सरस्वती शिशु मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन विधायक नंदनी मरावी केमुख्यातिथ्य ,प्रबंध समिति अध्यक्ष किशन जानवानी की अध्यक्षता में किया गया जहां मुख्यअतिथि ने ध्वजा रोहण किया इसी तरह घाट सिमरिया में दिव्यांग कल्याण संघ के नंद किशोर चौबे, अजय दुबे, रेखा दाहिया, रज्जू लाल,संतराम,मिलन,बसोरी यादव, संजय श्रीवास की उपस्थिती में समारोह का आयोजन किया गया । इसी कडी में झंडा बाजार आजाद चौक सिहोरा , शहीद स्मारक में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला चौरसिया ने ध्वजारोहण किया ।

विधायक कार्यालय किया गया ध्वजारोहण

विधायक कार्यालय में ध्वजारोहण विधायक नंदनी मरावी ने किया। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जय प्रकाश दुबे, कृष्ण दत्त गौतम,अश्वनी कुमार पाठक, माधव मिश्रा,अंशू परौहा, विनय जैन, बबलू महोबिया, चीकू तिवारी,राजा ठाकुर, किशन जानवानी, गौरा देवी विश्वकर्मा, दिनेश गौतम, गीता पटैल, वंदना पटैल, ज्योति पटेल,अर्चना जैन, राजेश मिश्रा,जगदीश प्यासी,मुन्नी बाई,शीला तिवारी, सुशीला शुक्ला, अशोक चौधरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खुडावल में शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

तहसील के ग्राम खुडावल में गणतंत्र दिवस पर ग्राम खुडावल पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों ने शहीदों के परिजनों में शहीद रामेश्वर पटेल एवं शहीद अश्विनी काछी के घर पहुंच कर शाल श्रीफल से शहीदों के परिवार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सिहोरा मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयश्री चौहान, नायब तहसीलदार रूबी खान ,सुशील वर्मा, राजकुमार रवि वर्मन ,इम्तियाज खान आदि उपस्थित थे।

तिरंगा ट्रैक्टर रैली निकाल कर किया किसान आंदोलन का समर्थन

रैली में एक हजार से अधिक ट्रैक्टर रहे शामिल

सिहोरा ,(एजेंसी)।

गणतंत्र दिवस पर क्षेत्र के किसानों ने तीन नए कृषि कानून के विरोध में दिल्ली में चल रहे आंदोलन के समर्थन में करीब एक हजार से अधिक ट्रैक्टरो के साथ तिरंगा ट्रैक्टर रैली निकाली जो नगर भ्रमण के बाद पुराना बस स्टैंड में संपन्न हुई।

सिहोरा विधानसभा की कोने-कोने अपना ट्रैक्टर लेकर पहुंचे किसानों ने रैली का शुभारंभ पहरेवा स्थित कृषि उपज मंडी से किया जो लखराम खितौला फाटक से होकर बाबाताल काल भैरव चौक कटरा मोहल्ला बायपास मझौली झंडा बाजार से होकर पुराना बस स्टेंड में संपन्न हुई ।

तीन किलोमीटर लंबा काफिला

किसानों के द्वारा मांगों के समर्थन में निकाली गई ट्रैक्टर रैली करीब तीन किलोमीटर लंबी थी रैली का एक छोर मझौली बाईपास झंडा बाजार से होकर था तो दूसरा होटल यशराज होटल के पास सभी ट्रैक्टरों में देश का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शान से लहरा रहा था।

शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित

सभी किसान नेताओं ने रैली समापन स्थल पुराना बस स्टैंड स्थित शहीद स्मारक पर आंदोलनों में शहीद हुए किसानों को पुष्प अर्पित कर अपने उद्बोधन के माध्यम से केंद्र सरकार को जमकर कोसा तथा कहा कि सरकार को तीनों कानून वापस लेने ही होंगे नहीं तो आने वाले समय में इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे।

रैली में दिखी किसानों की एकता

दिल्ली में जारी किसानों के आंदोलन को समर्थन देने के लिए निकाली गई तिरंगा ट्रैक्टर रैली में किसानों की जबरदस्त एकता देखने को मिली तथा सभी एक स्वर में कानून वापस लेने की मांग करते नजर आए रैली में भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष रमेश पटेल रूपेंद्र पटेल के के अग्रवाल राम गोपाल पटेल ,अश्वनी त्रिपाठी ,संतोष राय, सुनील जैन, अवसर पटेल, अनिल पटेल, विनय पटेल, चंद्रजीत पटेल, प्रमोद सिंह ठाकुर, दिलीप पटेल, प्रदीप पटेल आदि किसान उपस्थित रहे।

बार-बार मार्ग बदलने से हुई परेशानी

रैली में शामिल हजारों किसानों के प्रशासन को दिए गए तय मार्गों को छोड़कर बार-बार दूसरे मार्ग पर चले जाने के कारण प्रशासन और पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी और शहर में जगह-जगह जाम की स्थिति बनने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

रैली में मौजूद रहे प्रशासनिक अधिकारी

किसानों द्वारा निकाली गई रैली में एसडीएम चन्द्र प्रताप गोहल. सीएसपी अशोक तिवारी तहसीलदार राकेश चौरसिया के अलावा सिहोरा थाना प्रभारी गिरीश धुर्वे, खितौला थाना प्रभारी जे. मसराम सहित बड़ी सख्या में पुलिस बल तैनात रहा यहा। प्रशासन की ही सक्रियता थी, जो इतनी बड़ी रैली शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हो गई ।

कृषि कानूनों के विरोध में शहर में 30 को निकलेगी ट्रैक्टर रैली

संयुक्त किसान मोर्चा ने पत्रकारवार्ता में दी जानकारी, शहीद स्मारक में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ होगा समापन

जबलपुर,(एजेंसी)। केन्द्र सरकार द्वारा तीन नए कृषि कानून पारित किए गए हैं। इन नए कृषि कानूनों से सभी अन्नदाताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसके विरोध में 30 जनवरी को संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा ट्रैक्टर रैली का आव्हान किया गया है। ये जानकारी मोर्चा पदाधिकारियों ने बुधवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में दी गई।

पत्रकारवार्ता में पूर्व विधायक नित्यरंजन खम्परिया ने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार के किसान विरोधी एवं उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने वाले तीनों काले कानूनों के विरोध के लिए 30 जनवरी प्रातः 11 बजे से दीदयाल चौक से ट्रेक्टर मार्च निकाला जाएगा जो कि विविध सड़क मार्गों से होते हुए शहीद स्मारक पहुंचेगा, जहां महात्मा गांधी को श्रृद्धांजलि अर्पित कर इसका समापन होगा। दिल्ली बार्डर में आंदोलनरत किसानों के समर्थन में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील मोर्चा सदस्यों द्वारा की गई है। इस अवसर पर विष्णु शंकर, वीरेन्द्र चौबे, सर्वेश पटैल, भूपेन्द्र पटैल, पूर्व विधाक नन्हेलाल धुर्वे, शिवकुमार चौबे, रज्जु सराफ, गुलाब यादव, रूपेश पटैल सहित अन्य मौजूद रहे।

पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण उच्च प्राथमिकता से करें : कलेक्टर

लंबित प्रकरणों का शीघ्र ही किया जाए निराकरण

जबलपुर ,(एजेंसी)।

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर संदीप जी आर, हर्ष दीक्षित, राजेश बाथम और बी पी द्विवेदी सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में लंबित पत्रों के समीक्षा के साथ ही सीएम हेल्पलाइन व 300 दिनों से अधिक के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर शासन की प्राथमिकता से जुड़े विषयों और आम जनता को त्वरित रूप से योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संबंध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस दौरान उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में सरलता से पात्र व्यक्तियों को खाद्यान्न सुनिश्चित हो। इसके साथ ही उन्हें नई पात्रता पर्ची का वितरण भी करें।

शहरी क्षेत्र में खाद्यान्न वितरण के लिए एक टीम बनाएं और विशेष अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण कराएं, यदि उनके आधार या अन्य कारणों से पात्रता नहीं बनती है तो उसे देखें और पात्रता की श्रेणी में यदि आ रहा है तो उसे प्राथमिकता से खाद्यान्न सुनिश्चित कराएं। सभी अधिकारी यह निगरानी रखें कि कहीं सेल्समैन के कारण खाद्यान्न वितरण में लापरवाही ना हो। खाद्यान्न वितरण के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रत्येक राशन दुकान का अधिकारी सत्यापन करें।

नहीं तो होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

कलेक्टर ने कहा कि खाद्यान्न वितरण को लेकर खादय आपूर्ति विभाग, नगर निगम व ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत सचिव सतर्कता और तत्परता से काम करें। जिससे सभी पात्र व्यक्तियों को समय पर खाद्यान्न सुनिश्चित हो सके। इसमें यदि कहीं लापरवाही पाई जाती है तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि पात्रता पर्ची व राशन साथ.साथ दिलवाए और इसे उच्च प्राथमिकता से करें।

शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश

सीएम हेल्पलाइन में समय सीमा पर प्रकरणों के निराकरण देरी होने पर आयुर्विज्ञान अधिकारी, सीएमएचओ, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, चिकित्सा शिक्षा और जिला चिकित्सालय के प्रभारी अधिकारी को शो कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित ना रहे। हर पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित करें। इसके लिए उन्होंने प्रोजेक्ट अभ्युदय के तहत कहा कि सभी अधिकारी.कर्मचारी गांव में जाएं और पात्र हितग्राहियों को चिन्हित करें और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिलाएं। यह काम प्राथमिकता से व सक्रियता से करें। उन्होंने कहा कि जिस जनपद में अभ्युदय अंतर्गत सर्वे हो चुका है और कितने लाभान्वित हो गए हैं इसकी जानकारी भी उन्हें तत्काल सुनिश्चित कराएं।

कोविड-19 का पालन करते हुए चलेगा अभियान

बैठक के दौरान उन्होंने अंतर विभागीय विषयों के संबंध में चर्चा कर मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, स्ट्रीट वेंडर योजना की समीक्षा की। किसान सम्मान निधि के संबंध में कहा कि 29 तारीख को मुख्यमंत्री किसान सम्मान योजना का कार्यक्रम मानस भवन में आयोजित किया जाएगा। बैठक में पल्स पोलियो अभियान के संबंध में कहा कि पल्स पोलियो अभियान 31 जनवरी से 2 फरवरी तक चलेगा जिसमें कोविड.19 का पालन करते हुए पल्स पोलियो का टीका लगेगा। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कर लें।

हाउसिंग बोर्ड से वसूले 6.83 करोड़ रुपए , रांझी तहसील ने किया लक्ष्य से दो गुना अधिक राजस्व संग्रहित

जबलपुर। राजस्व वसूली में तेजी लाने के कलेक्टर कर्मवीर शर्मा द्वारा दिये गये निर्देशानुसार राजस्व विभाग के अमले ने आज हाउसिंग बोर्ड से ओमती स्थित करीब 2 एकड़ भूमि के डायवर्सन शुल्क के रूप में 6 करोड़ 83 लाख रुपये की राशि वसूल की है। हाउसिंग बोर्ड इस भूमि पर कामर्शियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कर रहा है। भूमि के डायवर्सन शुल्क की राशि का चेक हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने आज अपर कलेक्टर सन्दीप जी आर को सौंपा। ज्ञात हो कि तहसीलदार रांझी द्वारा हाउसिंग बोर्ड को डायवर्सन शुल्क चुकाने के लिये नोटिस जारी किया गया था। तहसीलदार रांझी प्रदीप मिश्रा के अनुसार हाउसिंग बोर्ड द्वारा डायवर्सन शुल्क की जमा की गई इस राशि के बाद रांझी तहसील द्वारा इस वित्तीय वर्ष में 11 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व वसूल किया जा चुका है। यह इसके वार्षिक लक्ष्य से दो गुने से भी अधिक है। रांझी तहसील को चालू वित्तीय वर्ष में 5 करोड़ रुपये राजस्व वसूलने का लक्ष्य दिया गया था।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने रीवा में गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में किया ऐलान

सरकार करेगी सवर्ण आयोग का गठन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश में मार्च-अप्रैल में संभावित नगरीय निकाय चुनाव से हर वर्ग को साधने की कोशिश कर रहे हैं। अब उन्होंने सवर्ण समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री ने रीवा में 26 जनवरी कार्यक्रम में कहा कि सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक आयोग की तर्ज पर सवर्ण आयोग बनाएगी, जो सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए काम करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में आर्थिक, सामाजिक विषमता दूर करने के लिए सवर्ण आयोग बनाया जाएगा। आखिर इस वर्ग को भी सबके समान अधिकार पाने का हक है। दरअसल, मप्र में जातीय समीकरण देखें तो 22 प्रतिशत प्रतिशत सवर्ण हैं। बैंक के नजरिए से देखें तो इनका झुकाव जिस राजनैतिक पार्टी की तरफ रहेगा, उसको चुनाव में फायदा होना स्वाभाविक है।

माफियाओं, मिलावटखोरों और चिटफंड कंपनी वालों को नहीं छोड़ेंगे

भू-माफिया, खनन माफिया, नशे का कारोबार करने वाले, चिटफंड कंपनी बनाकर जनता को लूटने वाले और बेटियों से अभद्रता करने वालों और धर्मांतरण कराने वाले को मध्यप्रदेश की धरती पर नहीं रहने दिया जाएगा। प्रदेश में माफियाओं के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। मिलावट करने वालों को भी नहीं छोड़ा जाएगा। माफियाओं के कब्जे से आठ हजार करोड़ रुपए की कीमत की जमीन मुक्त कराई गई है।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया पुरस्कृत

एसएएफ ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों व पुलिस बल को पुरस्कृत किया। समारोह में भाग लेने वाली परेड में प्रथम स्थान पुलिस लाइन की दूसरी नवमी व पच्चीसवीं संयुक्त बटालियन को मिला जबकि दूसरे स्थान पर महिला पुलिस बल रहा। मुख्यमंत्री चौहान ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यालयीन छात्रों को भी पुरस्कृत किया। प्रथम पुरस्कार के तौर पर दस हजार रुपए पीके स्कूल को, दूसरे पुरस्कार में पांच हजार रुपए ज्योति स्कूल को तथा तीसरे पुरस्कार के तौर पर तीन हजार रुपए गायत्री विद्या मंदिर नेहरू नगर को मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत किए गए।

कर्मचारियों के एरियर्स का भुगतान होगा

मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग की सिफारिश के तहत एरियर्स की एक-एक पाई भुगतान करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था चौपट हो गई थी। कई महीनों तक खजाने में कोई पैसा ही नहीं आया। मेरे पास प्रस्ताव आया था कि कर्मचारियों की तनख्वाह आधी कर दें। मैंने कहा- ये तो नहीं होगा। तनख्वाह में कटौती नहीं होगी। एरियर वगैरा जरूर रोकना पड़े, लेकिन वो भी परमानेंट नहीं रोकूंगा। बता दें कि इससे पहले भी मुख्यमंत्री ने दीवाली से पहले सरकारी कर्मचारियों का सातवें वेतन आयोग का बकाया एरियर देने की घोषणा की थी। इसमें मिलने वाली तीसरी किश्त का 25 फीसदी दिया जाना था। मप्र में सरकारी कर्मचारियों की संख्या(निगम-मंडल व अध्यापक व अन्य) करीब 11 लाख है। इनकी भूमिका भी चुनाव में अहम है।

रीवा की सुपारी कलाकृतियां दुनिया भर में भेजेंगे

मुख्यमंत्री चौहान ने मंगलवार को रीवा में गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में श्री चौहान ने कहा कि रीवा की सुपारी कलाकृतियां दुनिया भर में भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, स्वरोजगार और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। नगरों के साथ-साथ गांवों के विकास के लिए पांच वर्षीय कार्ययोजना तैयार की जा रही है। रीवा प्रदेश का गौरवशाली जिला है। इसके विकास में कोर कसर नहीं रहेगी। रीवा सहित पूरे विंध्य क्षेत्र के विकास के प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए कार्ययोजना बना ली गई है, जिस पर तेजी से काम किया जाएगा।

पद्म सम्मान मिलने से मप्र हुआ गौरवान्वित

भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार द्वारा पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन को पद्म भूषण और डॉ. कपिल तिवारी एवं चित्रकार श्रीमती भूरी बाई को पद्मश्री सम्मान से विभूषित किया गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजे जाने पर श्रीमती महाजन, डॉ. तिवारी और श्रीमती भूरी बाई को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इससे मध्यप्रदेश गौरवान्वित हुआ है।

मुख्यमंत्री ने सुमित्रा महाजन, डॉ. तिवारी और भूरी बाई को दी बधाई

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने राजनीति को सेवा का माध्यम समझा और हमेशा विकास को सर्वोपरि रखा। जन कल्याण के लिए समर्पित श्रीमती महाजन ने क्षेत्रीय विकास सहित देश और समाज के लिए उत्कृष्ट योगदान दिया है। पद्म भूषण सम्मान के लिए उन्हें बहुत बधाई और शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लोक संस्कृति के विद्वान, मध्यप्रदेश आदिवासी लोककला अकादमी के पूर्व संचालक डॉ. कपिल तिवारी ने लोक कलाओं और लोक कलाकारों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने जनजाति बहुल क्षेत्रों से लोक कलाकारों को खोज कर उन्हें राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान किया। लोक कला, परंपरा, संस्कृति, भाषा और साहित्य के विकास तथा दस्तावेजीकरण के लिए उनका योगदान उत्कृष्ट रहा है।

पद्मश्री सम्मान के लिए उन्हें बहुत बधाई और शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि झाबुआ जिले की चित्र कलाकार श्रीमती भूरी बाई की प्रतिभा मौलिक है। उन्होंने भोपाल आकर भारत भवन में मजदूरी की, साथ में वे चित्रकारी भी करती थीं। उनकी प्रतिभा को पहचाना गया। उन्हें जनजातीय संग्रहालय भोपाल की दीवारों पर चित्र बनाने का मौका मिला। उनके द्वारा बनाए गए चित्रों तथा कैनवास पेंटिंग से अन्तर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि मिली। कला के क्षेत्र में की गई साधना और मेहनत के लिए उन्हें पद्मश्री सम्मान मिला है। इसके लिए उन्हें बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

शिवराज ने की मां तुलजा भवानी और मां चामुंडा माता मंदिर में पूजा-अर्चना

देवास, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को यहां माताजी की टेकरी पहुंचकर माता तुलजा भवानी और छोटी माता चामुंडा देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और जन-कल्याण की प्रार्थना भी की। श्री चौहान ने चामुंडा माता मंदिर के समीप भैरव बाबा के दर्शन भी किये। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में टेकरी विकास के चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। देवास विधायक गायत्री राजे पवार ने मुख्यमंत्री को बताया कि शासकीय देवस्थान प्रबंधन समिति द्वारा लगभग 100 किलो चांदी का आवरण माँ तुलजा भवानी मंदिर में हाल ही में चढ़ाया गया है। इस अवसर पर सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी सहित जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

सीएम के सामने मंत्रियों को बताना होगा उनके विभाग में क्या हुए काम

कैबिनेट बैठक में सबसे पहले किसी एक विभाग का मंत्री देगा प्रजेंटेशन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वह स्वयं तो 14 घंटे काम कर ही रहे हैं, बल्कि मंत्रियों को भी अपने अपने विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए नए कदम उठा रहे हैं। सीएम श्री चौहान ने प्रत्येक कैबिनेट बैठक से ठीक पहले किसी भी एक मंत्री द्वारा अपने विभाग का कार्यों का ब्यौरा और नवाचार से सम्माहित प्रजेंटेशन देने को कहा है। मंत्रियों ने अपने विभाग प्रमुख से कार्यों की जानकारी और नवाचार करने की तैयारी को कहा है।

सीएम के कदम से सरकार के सभी विभागों में इन दिनों नवाचार और योजनाओं के लाभ की गति को सबसे ज्यादा महत्व दिया जा रहा है। मंत्रियों ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर सीएम के सामने उनका प्रजेंटेशन कमजोर हुआ तो विभाग के अधिकारियों पर गाज गिरना तय है। कुछ विभाग प्रमुखों ने नवाचार के आइडियों की जिम्मेदारी मंत्रियों को ही सौंप दी है, जिससे अब मंत्री परेशन हैं कि विभाग में क्या नवाचार किया, जिससे सीएम के सामने नंबर बढ़ जाएं।

विभागीय कार्यों में आएगी गति

सीएम चौहान ने कैबिनेट के पहले किसी भी मंत्री को अपने विभाग के प्रजेंटेशन देने के निर्णय से सरकारी कामकाज में गति आएगी और विभाग नई सोच के साथ नवाचार पर कार्य करेंगे। कुछ विभाग तो इससे खुश हैं कि उनके काम को सीधे सीएम दखेंगे। वहीं कुछ विभाग मायूस हैं कि क्या नवाचार करें?

नई सोच नया मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री चौहान की नई सोच से नया मप्र बना रहा है, जहां सरकार काम काज का ढर्रा बदला हुआ दिखाई देगा। मुख्यमंत्री किसी भी विभाग को पीछे नहीं रहने देना चाहते हैं। उन्होंने सभी विभाग के मंत्री से अपने विभाग के कार्यों पर लगातार निगरानी और अपडेट रहने को कहा था।

इनका कहना है

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान नई सोच से नया मध्यप्रदेश बनाने के सपने का साकार करने में दिन-रात लगे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी मंत्रियों को प्रत्येक बैठक ठीक पहले अपने विभाग का प्रजेंटेशन देने को कहा है। इससे सरकार सिस्टम को फायदा होगा।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा, गृह मंत्री, मप्र शासन

विश्वविद्यालय और महाविद्यालय ग्राम गोद लेकर करवाएंगे विकास कार्य

मुख्यमंत्री से उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने की चाय पर चर्चा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने चाय पर चर्चा की और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रस्तावित योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सभी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय एक ग्राम को गोद लेकर ग्राम में संचालित कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी प्राप्त करेंगे। इससे ग्राम में विकास कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन हो सकेगा। ग्राम के विकास के लिए कुलपति, प्राचार्य और विद्यार्थियों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। शीघ्र ही यह पहल होगी।

चाय पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान को डॉ. यादव ने जानकारी दी कि क्षेत्र विशेष के विकास के अलावा सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति के लिए भी अब महाविद्यालय आगे आएंगे। युवा शक्ति का इसमें उपयोग किया जाएगा। इसके पहले राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा ऐसी गतिविधियां सीमित रूप में की जाती रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नई शिक्षा नीति के संदर्भ में उच्च शिक्षा विभाग के नवाचारों को सराहनीय बताया। इस अवसर पर जनजातीय बहुल क्षेत्रों और पिछ?ा वर्ग समुदाय के लिए उच्च शिक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी भी मंत्री डॉ. यादव द्वारा दी गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान को उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कोरोना काल में उच्च शिक्षा की व्यवस्थाओं और इस वर्ष परीक्षाएं लेने की अनुमति प्राप्त होने के पश्चात किए जा रहे आवश्यक प्रबंधों की जानकारी दी।

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा है। कुछ अन्य नवाचार भी किए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग कुछ ऐसे पाठ्यक्रम शुरू करेगा जो ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार और विभिन्न संस्थाओं में प्लेसमेंट के लिए तैयार करेंगे। इससे सरकारी नौकरी पर निर्भरता को घटाया जा सकेगा। विशेष रूप से कृषि और पशुपालन से संबंधित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के संबंध में प्रयास किए जा रहे हैं। श्री चौहान ने हाल ही में मंत्रियों से चर्चा के लिए चाय पर चर्चा की शुरुआत की है। वे अपने मंत्रियों से अलग-अलग मिल कर इस दौरान विभागीय योजनाओं के बारे में चर्चा करते हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने छेदीलाल कोल के घर किया भोजन

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सतना जिले के व्यस्ततम कार्यक्रमों के बीच सतना नगर निगम अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से लाभान्वित हितग्राही पतेरी निवासी छेदीलाल कोल के घर पहुंचकर दोपहर का भोजन किया। छेदीलाल कोल और उनके पूरे परिवार ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को बड़े ही आदर और प्रेम के साथ चने की भाजी, रोटी, कढ़ी-भात, तिल के लड्डू तथा खीर परोसी। इसके साथ ही कैथ की चटनी और चोखा-भर्ता भी मुख्यमंत्री को परोसा गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि छेदीलाल के परिवार ने बड़ी आत्मीयता से उन्हें भोजन कराया, इसलिए भोजन और भी स्वादिष्ट रहा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने छेदीलाल को प्रधानमंत्री आवास योजना में मिले आवास की बधाई भी दी। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल, सांसद गणेश सिंह, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी और जिला भाजपा अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी ने भी जमीन पर बैठकर भोजन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान को अपने बीच पाकर छेदीलाल का परिवार अत्यंत उत्साहित नजर आया। छेदीलाल की बेटियों ने मुख्यमंत्री के साथ मोबाइल फोन पर सेल्फी भी ली।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने किया गौ-शाला का शिलान्यास

भोपाल । गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया जिले के ग्राम भागौर में 42 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाली गौ-शाला का भूमि-पूजन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने 42 लाख 46 हजार रुपए की राशि से निर्मित होने वाले अन्य निर्माण एवं विकास कार्यों की भी आधारशिला रखी। मंत्री डॉ. मिश्रा ने गत दिवस दतिया में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दतिया के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने एक अप्रैल, 2021 से 67 लाख रुपए की राशि के 11 निर्माण कार्य कराये जाने की स्वीकृति भी प्रदान की। डॉ. मिश्रा ने 14 लाख 65 हजार रुपए की राशि से 55 हितग्राहियों को लाभान्वित किया। कपिलधारा योजना अंतर्गत 10 हितग्राही, नंदन फलोद्यान योजना में 6 हितग्राही और मेड़-बंधान योजना में 39 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। डॉ. मिश्रा ने कहा कि जन-कल्याण के लिए न केवल विकासात्मक कार्य निरंतर रूप से जारी रहेंगे, बल्कि प्रत्येक वर्ग के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए भी विभिन्न प्रकार की हितग्राहीमूलक योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जाएगा।

किसानों के नाम पर दिल्ली में देश विरोधी ताकतों ने किया तांडव

कृषि मंत्री पटेल ने की दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के किसान नेता एवं कृषि मंत्री कमल पटेल ने दिल्ली हिंसा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह किसानों के नाम पर देश विरोधी ताकतों का तांडव था जिसे माफ नहीं किया जा सकता। कृषि मंत्री कमल पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से घटना की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसानों के ट्रेक्टर मार्च को अनुमति मिलने के बाद भी जिस तरह की अराजकता और हिंसा हुई उसे लेकर देश भर में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है। मंत्री पटेल ने कहा कि किसानों की आड़ में देश विरोधी ताकतों ने तांडव मचाया, यह लोग किसानों का भला होते नहीं देख पा रहे। श्री पटेल ने कहा कि कृषि कानूनों से किसानों को वह फायदा भी मिलेगा जो अब तक केवल शहरी और व्यापारी उठाते रहे हैं। आजादी के बाद पहली बार किसानों के लिए स्वामित्व योजना लाई गई तथा तीन कृषि कानून लागू किए गए हैं, मंत्री कमल पटेल ने कहा किसान फसल उगाने तक सीमित था लेकिन अब कृषि उत्पाद स्वंय तैयार कर एमआरपी पर बेच सकता है।

कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि अब तक किसानों को यह सुविधा नहीं थी इसलिये वह केवल फसल उगाने और बेच देने तक सीमित थे, किसानों को उनकी उपज का पर्याप्त दाम नहीं मिल रहा था इसलिये खेती लाभ का धंधा नहीं बन पा रही थी। तीन नए कृषि कानूनों और प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना से किसानों को अब खेती के साथ व्यापार करने का अवसर मिलेगा जिससे उनकी आय बढ़ेगी और देश का किसान समृद्ध होगा।

कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि किसानों के फायदे बौखलाई कांग्रेस, कम्युनिस्ट, आप से जुड़ी देश विरोधी ताकतों ने किसानों को बहकाकर आंदोलन शुरू कर दिया और दिल्ली में किसानों के नाम पर जो उत्पात मचाया वह निंदनीय है, यह घटना माफी के योग्य नहीं है। मंत्री कमल पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाकर दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने बुधवार को उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन किए। श्री सिंह ने प्रदेशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की।

भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने गणतंत्र दिवस पर किया ध्वजारोहण

अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को निभाएं आमजन और कार्यकर्ता

भोपाल (एजेंसी)। हमारा गणतंत्र अब परिपक्व हो गया है और सारी दुनिया के लोग अब यह जान गए हैं कि हमारा गणतंत्र सक्षम और सशक्त है। बाबा साहब अंबेडकर ने हमें जो संविधान दिया है, उसे हमें और मजबूत बनाते हुए अपने कर्त्तव्यों और जिम्मेदारियों को लेकर आगे बढ़ना है।

आज गणतंत्र दिवस पर प्रदेश के नागरिक और पार्टी कार्यकर्ता अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लें। यह आह्वान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने गणतंत्र दिवस पर पार्टी के प्रदेश कार्यालय में ध्वजारोहण करते हुए किया। गणतंत्र दिवस पर प्रदेश के सभी 56 संगठनात्मक जिलों में पार्टी कार्यालयों में ध्वजारोहण किया गया। मुख्य समारोह प्रदेश कार्यालय पं. दीनदयाल परिसर में हुआ, जहां प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने ध्वजारोहण किया। श्री शर्मा ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों एवं कार्यकर्ताओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। ध्वजारोहण समारोह में प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत, प्रदेश सह संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, वरिष्ठ नेता प्रभात झा, माखन सिंह चौहान, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष वैभव पंवार, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष भगतसिंह कुशवाह, तपन भौमिक, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, विकास विरानी, राजो मालवीय, तपन तोमर, राकेश शर्मा, प्रवीण नापित, चेतन सिंह, अनिल सप्रे, विकास बोन्द्रिया सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं कार्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

पद्म अवार्ड विजेताओं से मिले शर्मा

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, कलाकार भूरी बाई और कपिल तिवारी को जो पद्म पुरस्कार मिले हैं, उनसे मध्यप्रदेश का गौरव बड़ा है, हम सभी इससे गौरान्वित हैं। प्रधानमंत्री ने जिस तरह से ये अवार्ड प्रदान किए हैं उनसे मध्यप्रदेश की कला और संस्कृति को पहचान मिली है। यह बात भाजपा के प्रदेश वीडी शर्मा ने पद्म पुरस्कार से सम्मनित भूरी बाई एवं कपिल तिवारी से भेंट के अवसर पर कही। श्री शर्मा मंगलवार को पद्श्री भूरी बाई एवं कपिल तिवारी के निवास पर पहुंचे और उन्हें बधाई दी। श्री शर्मा ने पद्म विजेताओं का मुंह मीठा कराया और उनका सम्मान भी किया। इस अवसर पर प्रदेश सह संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, वरिष्ठ नेता उमाशंकर गुप्ता, राहुल कोठारी, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी भी उपस्थित थे। श्री शर्मा ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि कपिल तिवारी को जो सम्मान दिया है, वह मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है। श्री तिवारी जो शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में जो काम कर रहे हैं वह भारत को पहचान दिलाने वाला है। आने वाले समय में पूरे मध्यप्रदेश के लोग उनके साथ इस परंपरा को बढ़ाने में सहयोग प्रदान करेंगे। वहीं, भूरी बाई को जो सम्मान दिया है वह उनके प्रयास और कलाजगत में की गई मेहनत का सम्मान है और यह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही मुमकिन है।

लोक निर्माण मंत्री की अगवानी में नहीं पहुंचे ईई और एसडीओ सस्पेंड

भोपाल (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सागर जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले समारोह में एक दिन पूर्व रात में लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव के सर्किट हाउस आगमन पर उपस्थित नहीं होने पर सागर के लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री और एसडीओ को सस्पेंड कर दिया गया है।

इस संबंध में जारी आदेश में बताया गया है कि गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री के राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करने के कार्यक्रम की व्यवस्था एवं पूर्व तैयारी के लिए कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग हरिशंकर जायसवाल और एसडीओ जेएम तिवारी को 25 जनवरी को सर्किट हाउस में मंत्री जी के आगमन के समय उपस्थित होने के लिए नामांकित किया गया था, लेकिन यह दोनों अधिकारी सर्किट हाउस पर उपस्थित नहीं हुए जो कि राज्य शासन के सत्कार नियमों के विपरीत होने के साथ ही मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम का उल्लंघन भी है।

मर्यादा निभाने का ठेका तो बस औरतों ने लिया हुआ है

'मैडम चीफ मिनिस्टर' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में ऋचा चड्ढा के किरदार की तुलना बसपा प्रमुख मायावती से की जा रही है, जिसपर ऐक्ट्रेस ने बातचीत की है। ऋचा चड्ढा अभिनीत फिल्म 'मैडम चीफ मिनिस्टर' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। रिलीज से पहले ऐक्ट्रेस के किरदार को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी शुरू हो चुकी है। इस फिल्म के बारे में और अपने किरदार पर ऐक्ट्रेस ने बातचीत की, आइए जानें उन्होंने क्या कहा है।

'मैडम चीफ मिनिस्टर' को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है कि इसमें आपका किरदार बसपा प्रमुख मायावती पर आधारित है?

हमने पहले ही डिस्क्लेमर दे दिया है और सच में यह फिल्म काल्पनिक किरदार पर आधारित है। यदि आपको देखना है कि यह कहानी आगे कैसे बढ़ेगी, तो मैं कहना चाहूंगी कि इसमें आपको बहुत सारी महिला लीडर्स की छवि नजर आएगी। कहीं आपको लगेगा कि यह जयललिता जी पर बेस्ड है, तो कुछ पहलुओं पर लगेगा कि यह मायावती की बात कर रही है। भारत में कुछ हद तक जितनी भी फीमेल नेता रही हैं, उनके सफर में इस तरह के रंग देखने को मिलेंगे ही। यह तो सभी इंडियन फीमेल पॉलिटिशियन के साथ है कि एक पुरुष प्रधान समाज के नेतृत्व में महिला कैसे आगे आ सकती है और उन्हें कैसी-कैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

लोगों का तो ये भी कहना है कि किरदार का हेयर कट भी मायावती की याद दिलाता है?

देखिए इस किरदार के बॉयकट बालों के लिए फिल्म में बहुत बड़ा तर्क है। फिल्म में मेरा यह किरदार इतना बिंदास और आजाद ख्याल का है कि अपने आपको किसी से भी कमतर नहीं समझता। वह टॉम बॉय है। इसने अपने बाल इसलिए काट कर रखें हैं क्योंकि उसके परिवर में पहले जितनी भी लड़कियां हुईं, उन्हें लड़की होने के कारण जहर चटाकर मार दिया गया। जैसे गांव में होता है, वैसे ही हमने दिखाया है। यह बगावती है, इसलिए इसके बाल छोटे हैं। यह बाइक चलाती है, खेतों में काम करती है, लकड़ी काटती है, सलमान खान का ब्रेसलेट पहनती है। इसमें वह एटिट्यूड तो है ही, साथ ही वह पृष्ठभूमि भी है कि अपने गांव में सर्वाइव करने के लिए इसने यह लुक अपनाया है।

इस पितृसत्तात्मक समाज में पुरुष और महिलाओं के बीच जो असमानता है, उसे आप कैसे देखती हैं?

यह असमानता एक सच है। बेवकूफी की बात है कि दुनिया का जो हाल है, वह इसी मानसिकता के कारण है। आपको अपने ही घर में कम समझा जाता है। आपके घर पर आपके भाई को आपसे अच्छा खाना, शिक्षा, कपड़े आदि मिलते हैं। बेटा-बेटी के बीच भेद कई परिवारों में देखा जाता है। अब परिवारों का दल ही तो समाज बनाता है। हम आए दिन न्यूज में देख रहे हैं कि बच्चियों के साथ अमानुषी बर्ताव किया जाता है, उन्हें जिंदा जला दिया जाता है, गाड़ दिया जाता है। उनके गुप्तांग में रॉड डाल दी जाती है। ये सारे अत्याचार और घटनाएं इसी बुद्धि का ही सबूत हैं कि आपने औरतों को समझा ही नहीं है। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी, आप चाहे जितना भी समाज सुधार कर लें, चीजें नहीं बदलने वाली।

जब भी महिला प्रधान पॉलिटिकल फिल्में बनती हैं, मतभेद शुरू हो जाते हैं। आंधी, इंदू सरकार, क्वीन जैसे कई उदाहरण हैं। इसकी वजह?

क्योंकि समाज में बाकी लोग आलसी हैं न, मर्यादा का ठेका तो औरतों ने लिया हुआ है! औरत कुछ गलत नहीं कर सकती। हम कुछ भी करें, रेप भी हुआ है, तो कहते हैं कि औरत की ही गलती है। अरे जिनको तुम्हें रोकना चाहिए, उन्हें आपने बाइक देकर रातों को सड़कों पर घूमने के लिए छोड़ा हुआ है। आप उन्हें औरतों की इज्जत करना नहीं सिखाते। औरत को कमतर और मर्द को श्रेष्ठ समझनेवाले ये जो दकियानूसी खयालात के लोग हैं, उनका बदलना बहुत जरूरी है। जब तक यह बेवकूफ लोग नहीं बदलेंगे, तब तक औरत को हर मोर्चे पर झेलना होगा। अभी तो यह लड़ाई बहुत लंबी है। हो सकता है कि आपके और मेरे समय में यह बदले ही नहीं। कल को जब मेरी बेटी हो, तब जाकर उसके जीवन में ऐसा कोई बदलाव आए। यह बुद्धि बदलने की बात है जो आसान नहीं होता क्योंकि ऐसे डायनासोर हमारे समाज के हर हिस्से में बैठे हैं। वे सोचते हैं कि महिलाएं केवल बच्चें पैदा करने के लिए होती हैं और उनके पास कोई काम नहीं और हम गौशाला खोलते हैं जहां उन्हें बांध कर रखा जाएगा और वह दूध देंगी और बच्चें पैदा करेंगी।

अपने पिछले इंटरव्यू में आपने कहा था कि वैक्सीन आने के बाद शादी करेंगी। अब तो वैक्सीन आ गई है, तो क्या प्लान है?

मैं तो तभी वैक्सीन लगवाऊंगी, जब कोई नेता कहेगा कि सबसे पहले वैक्सीन मैं लूंगा। अभी तो सब यहां-वहां से बच कर निकल रहे हैं। अभी मुझे जरूरत नहीं, पहले इन्हें जरूरत है। जब वह लेंगे, तब मैं लूंगी और अपने परिवार में सबको दिलाऊंगी। तब जाकर बात आगे बढ़ेगी। अभी कोई मतलब नहीं है, लोगों को बाहर विदेश से भी आना है। हमें थोड़ा प्लानिंग करके शादी करनी होगी।

नए साल की शुरुआत होते ही रामप्रसाद की तेरहवीं, 12 ओ क्लॉक, शकीला जैसी फिल्मों के बाद आपकी यह फिल्म भी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। मगर पिछली फिल्मों में दर्शक सिनेमाहॉल से नदारद रहे। दर्शक थिएटर कैसे आएंगे?

इसकी एक वजह यह भी है कि थिएटरों में मात्र 50 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी ही है। लोग परिवार या फ्रेंड्स के साथ थिएटर नहीं जा पा रहे हैं क्योंकि उन्हें अलग-अलग बैठना पड़ रहा है। यह हमारे हाथ में नहीं है। मगर मैं कहना चाहूंगी कि मैं खुद थिएटर गई थी फिल्म टेनेट देखने अपने दोस्तों के साथ, वहां 50 प्रतिशत लोग थे और उन्हें फिल्म पसंद आ रही थी। मुझे ऐसा कोई लगा नहीं कि मेरी सेफ्टी पर कोई आंच आई। मैं चाहती हूं कि दिल्ली, बिहार और नार्थ वाले दर्शक धीरे-धीरे थिएटर जाएं। पर मेरे चाहने से कुछ नहीं होता। हम कुछ कर भी नहीं सकते।

2020 मेरे लिए ट्रांसफॉर्मेशन का साल रहा

पॉपुलर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा के लिए 2020 बदलाव का साल रहा है। सिंगर का कहना है कि 2020 उनके लिए ट्रांसफॉर्मेशन का साल रहा है और इस दौरान उन्होंने अपना वजन 15 किलो कम कर लिया है। गुरु रंधावा ने कहा कि साल 2020 हम लोगों के लिए बहुत सी चुनौतियां लेकर आया था। हम आगे बढ़ ही रहे थे कि कोरोना महामारी का संकट आ गया था। हालांकि उनके लिए यह साल काफी अच्छा रहा है। फिलहाल वह अपने नए म्यूजिक वीडियो पर काम कर रहे हैं और उन्होंने अपने वजन को 15 किलो घटा लिया है। गुरु रंधावा ने बातचीत में कहा, 'साल 2020 मेरे लिए ट्रांसफॉर्मेशन का वर्ष रहा है। उम्मीद है कि इस सिलसिले को मैं 2021 में भी कायम रख पाऊंगा। उम्मीद है कि जल्दी ही सब कुछ सामान्य हो जाएगा और एक कलाकार के तौर पर हम पहले की तरह लाइव परफॉर्मेंस दे पाएंगे। मैं जल्दी ही शो करने और म्यूजिक अल्बम रिलीज करने पर ध्यान दे रहा हूं। फिलहाल हम नए म्यूजिक वीडियो की शूटिंग में बिजी हैं। उम्मीद है कि दर्शक इसे काफी पसंद करेंगे। मैं इसे लेकर काफी रोमांचित हूं। हाल ही में गुरु रंधावा का गाना मेहंदी वाले हाथ रिलीज हुआ था। इस गाने में गुरु रंधावा के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस संजना सांघी भी नजर आ रही हैं। 2012 से अपने सिंगिंग करियर की शुरुआत करने वाले गुरु रंधावा को हिन्दी मीडियम, सिमरन, तुम्हारी सुलु, सोनू के टीटू की स्वीटी, दिल जंगली, बधाई हो, साहो, अर्जुन पटियाला जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। गुरु रंधावा का असली नाम गुरशरमजोत सिंह रंधावा है। पंजाब के गुरदासपुर जिले में जन्मे रंधावा ने करियर की शुरुआत अपने जिले में छोटे-छोटे आयोजनों में गाने से की थी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में शो करने शुरू किए और तेजी से लोकप्रिय हुए। गुरु रंधावा के तौर पर उन्होंने अपना प्रोफेशनल नाम रखा है।

मधुर भंडारकर ने इंडिया लॉकडाउन की शूटिंग शुरू की

साल 2020 पूरी दुनिया के लिए काफी ज्यादा तनावपूर्ण रहा। कोरोना वायरस के कारण लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी। करोड़ों लोग लॉकडाउन के कारण बेरोजगार हो गये। हालात काफी ज्यादा दयनीय थे। इससे पहले एसी परिस्थिति इस पीढ़ी ने नहीं देखी थी। लॉडाउन के दौरान जिस तरह के हालात थे अब इस सबजेक्ट पर निर्देशक मधुर भंडारकर फिल्म बनाने जा रहे हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अपनी अगली फिल्म इंडिया लॉकडाउन की शूटिंग शुरू कर दी है। चांदनी बार, पेज 3, ट्रैफिक सिग्नल, फैशन जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक ने फिल्म के मुहूर्त समारोह की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं। भंडारकर ने फिल्म के कलाकारों और अन्य कर्मियों के साथ तस्वीर साझा की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, ''फिल्म 'इंडिया लॉकडाउन' की शूटिंग शुरू'' फिल्म में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों पर कोरोना वायरस के चलते लगे लॉकडाउन के प्रभाव को दिखाया जाएगा। इंडिया लॉकडाउन में प्रतीक बब्बर, साई तम्हाणकर, श्वेता बसु प्रसाद, प्रकाश बेलावाड़ी और आहना कुमरा होंगे। इसका निर्माण 'भंडारकर एंटरटेनमेंट' और 'पीजे मोशन पिक्चर्स' द्वारा किया जा रहा है। इससे घोषणा से पहले समीक्षकों द्वारा प्रशंसित निर्देशक और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मधुर भंडारकर ने इंस्टाग्राम पर अपनी अगली फिल्म ''भारत लॉकडाउन'' का पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि शूटिंग अगले सप्ताह से शुरू होगी। जो आज से शुरू हो गयी है। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म महामारी के दौरान लोगों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है और कैसे अनियंत्रित लॉकडाउन ने उनके दैनिक जीवन को प्रभावित किया।

फिल्म निर्माता विपुल शाह लॉन्ग फॉरमेट वेब कंटेंट में करेंगे अपनी नई शुरुआत

नए वेब कंटेंट फॉर्मेट के आने से, कई निर्माता और फिल्म निर्माता अब दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए अधिक अवसर तलाश रहे हैं। दिग्गज निर्माता और निर्देशक, विपुल अमृतलाल शाह ने भी अब एक लॉन्ग फॉरमेट वेब कंटेंट में वेंचर किया है और प्लेटफॉर्म की बारीकियों को समझने में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। गुजराती थिएटर से अपने करियर की शुरुआत करते हुए, उन्होंने सिनेमाघरों, फिल्मों और टेलीविजन शो की दुनिया में सफलतापूर्वक अपने लिए जगह बना ली है। उन्होंने सफलतापूर्वक कुछ प्रमुख फिल्में और कई यादगार गुजराती थिएटर शो दिए हैं, जिसमें हॉलिडे : ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी, सिंह इज किन्ज, कमांडो की फ्रेंचाइजी इत्यादि शामिल है। उन्हें सिनेमा की दुनिया के सभी फॉरमेट की समझ रखने वाले चुनिंदा भारतीय फिल्म निर्माताओं में से एक गिना जाता है और अब वह अपनी टोपी में एक ओर पंख जोड़ने के लिए तैयार हैं, क्योंकि अब वह लॉन्ग फॉरमेट वेब कंटेंट में पहला कदम रख रहे हैं। एक सबूत के रूप में उनकी विशाल फिल्मोग्राफी के साथ, उन्होंने हमेशा विशाल कहानियों का लक्ष्य रखा है, जिसे लॉन्ग फॉरमेट वेब कंटेंट में देखना बहुत दिलचस्प और अनूठा अनुभव होगा। निश्चित रूप से विपुल शाह की दृष्टि को फॉरमेट ऑफ वेब कंटेंट में अनुवाद करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ-साथ, उनकी किटी में सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज होने वाली कई ब्लॉकबस्टर फिल्में भी शामिल हैं।

हॉलीवुड में किसी ने मेरे लिए रास्ते नहीं बनाए हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने जिस वक्त हॉलीवुड का रूख किया था, उस वक्त वहां उनकी एंट्री के पर्याप्त मौके नहीं थे। प्रियंका स्टोरीज क्रिएट करने के पावर के साथ इसी बात को बदलना चाहती थीं और अब जब वह खुद एक प्रोड्यूसर बन गई हैं, तो उनका कहना है कि एक निर्माता के तौर पर अपनी कहानियों के माध्यम से वह दक्षिण एशियाई लोगों के लिए चीजों को सामान्य करना चाहती हैं। प्रियंका ने बताया, ''मैंने खुद को एक जगह सीमित नहीं रखा। मैं जिस बात को महसूस करती हूं, उसे सामने रखने पर यकीन रखती हूं। मैं मिंडी कैलिंग के साथ कॉमेडी कर रही हूं, जो कि शायद हॉलीवुड में बनी कुछेक रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में से एक होगी, जिसमें आपको सारे कलाकार दक्षिण एशियाई मिलेंगे। मुझे याद नहीं कि ऐसा आखिरी बार कब हुआ होगा इसलिए यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। मुझे इस चीज की तलब थी।'' उन्होंने आगे कहा, ''जब मैंने यहां काम करना शुरू किया था, तो किसी ने मेरे लिए रास्ते नहीं बनाए थे बल्कि हॉलीवुड में तो दक्षिण एशियाई या मेरे जैसे दिखने वाले लोगों के लिए मौके बेहद ही सीमित हैं। मैं एक ऐसी निर्माता बनना चाहती थी, जो ऐसे अवसर प्रदान करे।'' प्रियंका ने यह भी कहा, ''मैं एक रिएलिटी शो भी कर रही हूं, जिसमें संगीत का जश्न मनाने के लिए लगभग सभी समुदाय, जाति के लोग शामिल होंगे। इसमें मैं भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर ले जाने का काम कर रही हूं।''

इंडिया लॉकडाउन में प्रतीक बब्बर, श्वेता बसु प्रसाद

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर अपनी नई फिल्म 'इंडिया लॉकडाउन' के साथ वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म में प्रतीक बब्बर, श्वेता बसु प्रसाद, अहाना कुमरा, और प्रकाश बेलावडी हैं। सच्ची घटना से प्रेरित, यह सामाजिक ड्रामा फिल्म भावनात्मक, मानसिक और वित्तीय व्यवधान के ईद-गिर्द घूमेगी, जिसका सामना कोविड महामारी की वजह से लॉकडाउन लागू होने के बाद लोगों ने किया। फिल्म में जरीन शिहाब और अयेशा अमीन भी हैं। भंडारकर ने ट्विटर पर लिखा, ''फिल्म 'इंडिया लॉकडाउन' अगले सप्ताह से फ्लोर पर जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह एक टीजर पोस्टर है। अपना प्यार दीजिए।''

10,000 पैदल चाल में उत्तराखण्ड की रेशमा पटेल ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकार्ड

भोपाल, (एजेंसी)। प्रतियोगिता के दूसरे दिन मध्य प्रदेश राज्य खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने डिस्कस थ्रो में दो और पोल वॉल्ट में एक पदक सहित कुल तीन पदक अर्जित किए। बालक वर्ग की 1.750 कि.ग्रा. डिस्कस थ्रो स्पर्धा में मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के इकराम अली खान ने 55.07 मीटर डिस्कस थ्रो कर स्वर्ण पदक मध्य प्रदेश को दिलाया। मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के ही खिलाड़ी हरिन्दर सिंह ने 50.78 मीटर डिस्कस थ्रो कर कांस्य पदक अर्जित किया। जूनियर पोल वॉल्ट स्पर्धा में मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक अकादमी के खिलाड़ी संदीप कुमार ने 4.50 मीटर कूदकर मध्य प्रदेश को रजत पदक दिलाया।

प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने प्रदेश के पदक विजेता तीनो खिलाड़ियों को बधाई दी। आज कुल 12 इवेन्ट में मेडल सेरेमनी क्रमशः 11, 3 तथा 5 बजे आयोजित की गई थी। आयुक्त स्कूल शिक्षा श्रीमती जयश्री कियावत ने प्रातः 11 बजे, एस. विश्वनाथन, एम.डी. टूरिज्म, श्री अनुप जैन, ज्वाइंट कमीशनर इंकमटेक्स, अल्पेश परमार, एडिशन कमीशनर इंकमटेक्स, श्री सुनील शर्मा ज्वाइंट डायरेक्टर इंकमटेक्स ने दोपहर तीन बजे, डी.जी. ईओडब्ल्यू, श्री राजीव टंडन तथा श्री रवि गुप्ता एडीजी ईओडब्ल्यू ने सायं 5 बजे मैडल सेरेमनी में खिलाड़ियों को पदक वितरित किए।

भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में खेली जा रही तीन दिवसीय 18वीं फेडेरेशन कप जूनियर अंडर-20 राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का समापन मान. खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया की अध्यक्षता एंव भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष ओलम्पियन श्री आदिल सुमरिवाला के मुख्य आतिथ्य में सायं 4.00 बजे सम्पन्न होगा।

आज प्रतियोगिता के दूसरे दिन बलिका वर्ग मुकाबलों में:- 10,000 मीटर पैदल चाल, बांस कूद, 1.00 कि.ग्रा. चक्का फेंक, 100 मीटर बाधा दौड़, लम्बी कूद एवं 400 मीटर दौड़ की स्पधाएं खेली गई। जबकि बालक वर्ग में:- बांस कूद, लम्बी कूद, 1.750 कि.ग्रा. चक्का फेंक, 110 मीटर बाधा दौड़ एवं 400 मीटर दौड़ के मुकाबले खेले गए।

आज बालिकाओं की 10,000 मीटर पैदल चाल में 2014 के नेशनल को तोड़ते हुए उत्तराखण्ड की रेशमा पटेल ने 48:25.90 सेकेण्ड में रेस पूरी कर नया नेशनल रिकार्ड बनाया। पुराना नेशनल रिकार्ड विजयवाड़ा में 2014 में पी. गोस्वामी ने 49:16.51 सेकेण्ड के नाम था। उत्तराखण्ड की रेशमा पटेल ने नया नेशनल रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक, पंजाब की बलजीत कौर बाजवा ने 49:00.27 सेकेण्ड का समय लेकर रजत तथा उत्तरप्रदेश की मुनीता प्रजापति ने 49:13.86 सेकेण्ड का समय लेकर रजत पदक अर्जित किया।

बालिका वर्ग की बाँस कूद प्रतियोगिता में हरियाणा ने स्वर्ण एवं रजत पदक अपने नाम किया। हरियाणा की पूजा ने 3.40 मीटर कूद कर स्वर्ण एवं ज्योति ने 3.00 मीटर कूदकर रजत पदक अर्जित किया। प्रतियोगिता का कांस्य पदक गुजरात की मैसुरी टिंबाडिया ने 3.00 मीटर कूदकर जीता।

इसी तरह बालक वर्ग की लम्बी कूद स्पर्धा में तमिलनाडु के खिलाड़ी जेसविन एल्ड्रिन ने 7.51 मीटर कूदकर स्वर्ण, हरियाणा के खिलाड़ी भूपिन्दर सिंह ने 7.44 मीटर कूदकर रजत तथा कर्नाटक के अर्वा एस.ने 7.19 मीटर कूदकर कांस्य पदक अर्जित किया।

प्रतियोगिता के अंतर्गत बालक वर्ग की ऊंची कूद में हरियाणा के खिलाड़ी पीयूष सिंह पंवार ने 2.05 मीटर कूदकर स्वर्ण, महाराष्ट्र के अभार अतुल दत्ता ने 2.03 मीटर कूदकर रजत तथा तमीलनाडु के खिलाड़ी देवा कार्तिक डी. ने 1.99 मीटर कूदकर कांस्य पदक अर्जित किया।

प्रतियोगिता में बालिका वर्ग की 1.00 कि.ग्रा. चक्का फेंक प्रतियोगिता में हरियाणा की गरिमा ने 45.91 मीटर चक्का फेंककर स्वर्ण पदक, हरियाणा की ही पूजा ने 45.42 मीटर चक्का फेंककर रजत तथा महाराष्ट्र की सिद्धी शैलेन्द्र करन ने 40.49 मीटर चक्का फेंककर कांस्य पदक जीता।

बालिका वर्ग की 100 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में केरल की खिलाड़ी एन रोज टॉमी ने 0:14.45 सेकेण्ड के समय में स्वर्ण पदक, पश्चिम बंगाल की खिलाड़ी मौमिता मोंडल ने 0:14.56 सेकेण्ड में रजत तथा तमीलनाडु की खिलाड़ी एस. श्रीरेशमा ने 0:14.80 सेकेण्ड में पूरी कर कांस्य पदक अर्जित किया।

बालिका वर्ग लम्बी कूद स्पर्धा में केरल की एनसीसोजन ई. सोजन ई. ने 6.12 मीटर लम्बा कूदकर स्वर्ण पदक, महाराष्ट्र की खिलाड़ी शारवरी अविनाश पारूल ने 5.75 मीटर कूदकर रजत तथा महाराष्ट्र की ही कीशा तारक मोदी ने 5.73 मीटर कूदकर कांस्य पदक अर्जित किया।

प्रतियोगिता के अंतर्गत 110 मीटर बाधा दौड़ की बालक वर्ग स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाड़ी विकास आनंद खोड़के ने 0:14.00 सेकेण्ड के समय में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक अर्जित किया और नया नेशनल मीट रिकार्ड भी बनाया। पुराना नेशनल मीट रिकार्ड 2012 पुणे में अनीस अभय जोशी ने 14.05 सेकेण्ड के नाम था। प्रतियोगिता का रजत पदक उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी उसैद खान ने 0:14.2 सेकेण्ड में पूरी कर जीता। कांस्य पदक तमिलनाडु के खिलाड़ी निशांतराजा जी. ने 0:14.27 सेकण्ड में दौड़ पूरी कर अर्जित किया।

प्रतियोगिता के अंतर्गत आज 400 मीटर दौड़ की बालिका स्पर्धा में हरियाणा की खिलाड़ी दीपांशी ने 0:56.02 सेकेण्ड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक, दिल्ली की खिलाड़ी पायल वोहरा ने 0:56.44 सेकेण्ड में दौड़ पूरी कर रजत तथा हरियाणा की खिलाड़ी हिमांशी मलिक ने 0:57.90 सेकेण्ड के समय में पूर्ण कर कांस्य पदक अर्जित किया।

इसी तरह बालक वर्ग की 400 मीटर दौड़ में हरियाणा के खिलाड़ी प्रवीण कुमार ने 0:48.87 सेकण्ड में पूरी कर स्वर्ण पदक, दिल्ली के खिलाड़ी अंश ने 0:49.32 सेकेण्ड में रजत तथा उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी लविश शर्मा ने 0:49.63 सेकेण्ड में पूरी कर कांस्य पदक अर्जित किया। बालक वर्ग की डिस्कस थ्रो में हरियाणा के खिलाड़ी प्रिंस ने 52.19 मीटर डिस्कस थ्रो कर रजत जीता। पोल वॉल्ट में हरियाणा के खिलाड़ी सन्नी ने 4.60 मीटर ऊंचा कूदकर स्वर्ण पदक अर्जित किया।

भोपाल। 10,000 पैदल चाल में उत्तराखण्ड की रेशमा पटेल ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकार्ड।

वॉर्नर की तर्ज पर राशिद बने बाहुबली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर सोशल मीडिया पर मजेदार वीडियो साझा करते रहते हैं। इसमें वह अलग-अलग वेश घरे नजर आते हैं। वार्नर बॉलीवुड और टॉलीवुड के गानों और डॉयलॉग्स पर अक्सर अपने वीडियोज बनाते रहते हैं। वहीं पिछले कुछ समय से वॉर्नर किसी फिल्म अभिनेता की जगह अपना चेहरा लगाकर प्रशंसकों से उसे पहचानने के लिए कहते रहे हैं। प्रशंसक भी वॉर्नर के इन वीडियोज का आनंद लेते रहे हैं। वहीं अब वॉर्नर की तरह ही अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान भी ऐसा ही कर रहे हैं।

राशिद ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम से एक वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में राशिद बाहुबली के अंदाज में नजर आ रहे हैं। बाहुबली के सीन में राशिद ने एक्टर प्रभास की जगह अपना चेहरा लगा दिया है और प्रशंसकों से इस फिल्म और अभिनेता को पहचानने के लिए कहा है। राशिद के इस वीडियो पर वॉर्नर ने मजेदार कमेंट किया है। राशिद ने इस वीडियो को शेयर करते हुए इसमें वॉर्नर को भी टैग किया है।

विराट ही रहेंगे कप्तान : रहाणे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच फरवरी से शुरू हो रही सीरीज के लिए भारतीय टीम के उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि विराट कोहली ही टीम के कप्तान बने रहेंगे। रहाणे ने कहा कि जरुरत के समय पर टीम की कमान संभाल कर ही वह खुश हैं। रहाणे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भी कोई बदलाव नहीं आया है। विराट ही टेस्ट टीम के कप्तान थे और रहेंगे जबकि मैं पहले की ही तरह उपकप्तान हूं। उनके नहीं होने पर ही मुझे कप्तानी दी गई थी और मेरा काम टीम इंडिया की सफलता के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था। उन्होंने कहा कि सिर्फ कप्तान बनना ही महत्वपूर्ण नहीं है। कप्तान की भूमिका आप कैसे निभाते हैं, वह ज्यादा अहम है। अभी तक मैं सफल रहा हूं और उम्मीद है कि भविष्य में भी अच्छे परिणाम दे सकूंगा। रहाणे की कप्तानी में भारत ने पांच में से चार टेस्ट मैच जीते हैं। रहाणे ने साथ ही कहा कि मेरा और विराट का तालमेल हमेशा अच्छा था और आगे भी रहेगा। उसने समय समय पर मेरी बल्लेबाजी को बेहतर करने में सहायता की है। हमने मिलकर टीम के लिए घरेलू मैदान के साथ ही विदेश में भी कई यादगार पारियां खेली है। वह चौथे नंबर पर उतरते हैं और मैं पांचवें पर इसलिए हमारे बीच कई साझेदारियां बनी हैं।

रहाणे ने कहा कि हमने हमेशा एक दूसरे के खेल का सम्मान किया है। हम जब क्रीज पर होते हैं तो विरोधी गेंदबाजी के बारे में बात करते हैं। जब हम दोनों में से कोई खराब शॉट खेलता है तो हम एक दूसरे को आगाह कर देते हैं। रहाणे ने विराट को एक चतुर कप्तान बताया है। साथ ही कहा कि वह मैदान पर अच्छे फैसले लेता है। स्पिनरों के गेंदबाजी करने पर वह मेरे फैसले पर काफी भरोसा करता है। उसका मानना है कि अश्विन और जडेजा की गेंदों पर स्लिप में कैच पकड़ना मेरी खूबियों में से है। उन्होंने कहा कि विराट की मुझसे काफी अपेक्षाएं हैं और मैं कोशिश करता हूं कि उन पर खरा उतरने का प्रयास करता हूं।

मिलान में इटेलियन कप फुटबॉल में भाग लेते हुए खिलाड़ी।

मैक्सवेल को मोटी रकम देकर खरीदना बड़ी गलती : स्टायरिस

ऑकलैंड, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के इस पूर्व ऑलराउंडर स्कॉट स्टायरिश ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ऑल राउंडर ग्लेन मैक्सवेल को मोटी रकम देकर खरीदना बड़ी भूल होगी। स्टायरिश के अनुसार फ्रेंचाइजीज क्रिकेट में मैक्सवेल कभी भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। भारत के साथ सीमित ओवर क्रिकेट में मैक्सवेल ने 194.19 की स्ट्राइक रेट से 167 रन बनाए और इस दौरान उनका औसत 83.50 रहा। वहीं, टी20 सीरीज में इस बल्लेबाज ने भी कोई प्रभावी भूमिका नहीं निभाई। घरेलू क्रिकेट में मैक्सवेल अपनी इस छवि से बाहर आने की कोशिश करते हैं, लेकिन फ्रेंचाइजी क्रिकेट में तो वह कभी कुछ खास नहीं कर पाए। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेल चुके स्टायरिस ने सभी टीमों को चुनौती देते हुए कहा कि अगर कोई उनके लिए 10 करोड़ रुपये खर्च करता है तो वह सही फैसला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वही फ्रेंचाइजी मैक्सवेल को खरीदेगी, जिसके पास अतिरिक्त रकम होगी।

इस पूर्व किवी ऑल राउंडर ने कहा, यदि कोई उनके लिए 10 करोड़ रुपए देता है तो उन्हें दोबारा सोचना चाहिए। हम सब जानते हैं कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। उनमें प्रतिभा है, लेकिन उनकी प्रतिभा ने ही उनके प्रदर्शन को पीछे धकेल दिया है।

स्टायरिस ने कहा, मुझे लगता है कि मैक्सवेल की जगह किसी और को लेनी चाहिए, लेकिन यह आधार मूल्य पर निर्भर करेगा। आईपीएल 2020 में मैक्सवेल को लोकेश राहुल के नेतृत्व वाली किंग्स इलेवन पंजाब ने 10.75 करोड़ में खरीदा था, लेकिन यूएई में खराब प्रदर्शन के चलते उन्हें आईपीएल 2021 के मिनी ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिया गया है। आईपीएल 2020 के सबसे फ्लॉप खिलाड़ी किंग्स मैक्सवेल ही रहे। उन्होंने 13 मैचों में 108 रन बनाए थे।

हैरिस का विकेट लेने के कारण वापसी करने में सफल रहे : शार्दुल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले टीम इंडिया के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के शुरूआती बल्लेबाज मार्कस हैरिस का विकेट मिलने से टीम को वापसी में सफलता मिली। शुरूआत में हैरिस और डेविड वॉर्नर तेजी से रन बना रहे थे पर यह जोड़ी टूटते ही भारतीय गेंदबाज हावी हो गये। शार्दुल ने हैरिस को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई थी।

शार्दुल ने कहा, हमें ऐसी ही उम्मीद थी कि वह हमारे खिलाफ तेजी से रन बनाएंगे और ऐसा ही हुआ। उन्हें काफी अच्छी शुरूआत मिली थी। छह ओवर के मैच के बाद दिन का खेल खत्म हुआ और फिर अगले दिन हम तरोताजा होकर आए। अगले दिन भी दोनों बल्लेबाज तेजी से रन बनाने में लगे थे। उनकी योजना थी कि तेजी से रन बनाकर हमारे सामने बड़ा लक्ष्य रखें।

उस समय पर एक गेंदबाज के तौर पर मुझे लगा कि अगर हम यहां एक विकेट ले लेंगे तो वह तेजी से रन नहीं बना पाएंगे। लक्ष्य यही था कि वह गेंद हम डालें जिस पर विकेट निकले। अगर मैं अपने स्पैल की बात करूं तो मैंने हैरिस को कई गुड लेंथ गेंदें डाली थीं, मुझे लगा था कि अब बाउंसर फेंकने का समय आ गया है। मैंने प्रयोग किया और मुझे उनका विकेट मिल गया। इसके बाद हमारे गेंदबाजों ने अच्छी वापसी की और मैच हमारी पकड़ में आ गया। इस मैच में शार्दुल ने दूसरी पारी में चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद सिराज ने पांच विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को समेट दिया था।

सीने में दर्द के बाद गांगुली फिर अस्पताल में भर्ती

कोलकाता, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को तबियत खराब होने के करण फिर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांगुली को बुधवार को फिर सीने में दर्द उठा जिसके बाद उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें पिछले दिनों भी दिल का दौरा पड़ा था जिसकी एंजियोप्लास्टी के बाद से ही वह घर पर ही आराम कर रहे थे। साल की शुरूआत में दो जनवरी को सीने में दर्द के बाद उन्हें कोलकाता के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां वह करीब 5 दिन रहे और 7 जनवरी को उन्हें छुट्टी दी गई थी। इसके बाद से ही वह घर पर ही डॉक्टरों की देखरेख में आराम कर रहे थे।

उन्हें पिछली बार जिम में वर्कआउट करते हुए दौरा पड़ा था। तब उन्हें एंजियोप्लास्टी के दौरान एक स्टेंट लगाया गया था। पिछली बार जिस अस्पताल में गांगुली भर्ती थे, वहां के डॉक्टरों ने कहा था कि गांगुली की तीन धमनियों में ब्लॉकेज पाया गया है। इनमें से एक धमनी 90 फीसदी तक ब्लॉक थी। तब वुडलैंड अस्पताल में करीब 13 डॉक्टरों की टीम ने उनका उपचार इसमें नामी हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. देवी शेट्टी भी शामिल थे और सभी ने कहा था कि गांगुली कुछ समय के बाद एक सामान्य व्यक्ति की तरह कसरत भी कर सकते हैं। हालांकि डॉक्टरों ने उन्हें नियमित रूप से चेकअप कराने की सलाह दी थी। इससे पहले कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल में गांगुली का इलाज करने वाले डॉ. आफताब खान ने बताया था कि गांगुली के हार्ट में दो ब्लॉकेज थे। वुडलैंड्स अस्पताल की सीईओ डॉ. रूपाली बसु और डॉ. सरोज मंडल ने बताया था कि उनके हार्ट में कई ब्लॉकेज थे, जो क्रिटिकल थे।

पाक क्रिकेटर इमरान फरहात ने खेल को अलविदा कहा

लाहौर, (एजेंसी)। पाकिस्तान के अनुभवी क्रिकेटर इमरान फरहात ने खेल से संन्यास ले लिया है। घरेलू क्रिकेट में बलूचिस्तान की ओर से खेलने वाले इमरान ने पाक की ओर से 40 टेस्ट, 58 एकदिवसीय और 7 टी20 मैच खेले हैं। 38 साल के इमरान ने 1997 1998 में लिस्ट ए मैच से घरेलू क्रिकेट में प्रवेश किया था और इसके अगले सत्र में उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया था। पाक की अंडर 19 और लिस्ट ए में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें 2001 में न्यूजीलैंड दौरे पर पाकिस्तान की सीनियर टीम में एकदिवीय क्रिकेट में डेब्यू करने के एक ही महीने के बाद टेस्ट डेब्यू किया था।

फरहात ने अपने करियर के दौरान अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट दोनों सत्र को मिलाकर 29 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 59 शतक लगाये हैं। अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 3 शतक और 14 अर्धशतक सहित कुल 2400 रन जबकि क्रिकेट में एकदिवसीय शतक और 13 अर्धशतक सहित 1719 रन हैं। वहीं घरेलू करियर की बात करें तो फरहात ने 230 फर्स्ट क्लास मैचों में 38 शतक और 72 अर्धशतक सहित 15 हजार 85 रन, 222 लिस्ट ए मैचों में 15 शतक और 38 अर्धशतक सहित 7 हजार 572 रन बनाए हैं जबकि 69 टी20 मैचों में 2 शतक और 8 अर्धशतक सहित 1 हजार 636 रन बनाए हैं। फरहात ने कहा कि खेल से संन्यास लेना मेरे लिए भावुक पल है क्योंकि क्रिकेट ही बचपन से ये मेरा जुनून रहा है। देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। देश में हर युवा खिलाड़ी का यही सपना होता है। मेरे करियर में भी उतार-चढ़ाव आता रहा, जो स्वाभाविक है, मगर मैंने करीब ढाई दशक मैदान पर गुजारे, इस पल को मैं हमेशा संजोकर रखूंगा।

ऑस्ट्रिया में अल्पाइन स्की विश्व कप स्लेलोम रेस में भाग लेते हुए माइकल मैट।